RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 85 ● भिलाई, गुरुवार 02 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

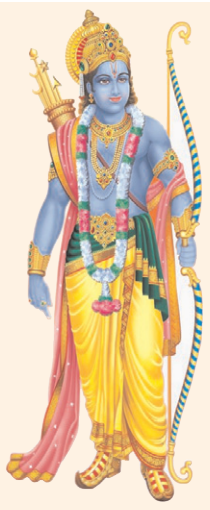

अवकाश सूचना

समस्त पाठकों को विजयादशमी (दशहरे) पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

विजयादशमी (दशहरे) के अवसर पर दैनिक लोकतंत्र प्रहरी के कार्यालय में दिनांक 02 अक्टूबर 2025 अवकाश रहेगा। अत: हमारा अगला अंक 04 अक्टूबर 2025 को प्रकाशित होगा।

-संपादक

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में मौसम ने फिर बदला रुख, नोएडा-गाज़ियाबाद में तेज बारिश से मिली राहत

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम एक बार फिर करवट ले चुका है। मंगलवार सुबह से ही आसमान में काले बादलों ने डेरा जमा लिया, जिसके बाद नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई। लगातार बढ़ती गर्मी और उमस से बेहाल लोगों के लिए यह बारिश किसी राहत से कम नहीं है। हालांकि, 2 अक्टूबर से बारिश में कमी आएगी और आसमान में बादल तो रहेंगे, लेकिन तेज बारिश की संभावना कम हो जाएगी। 3 और 4 अक्टूबर को मौसम आंशिक रूप से बादल वाला रहने की उम्मीद है, जबकि 5 अक्टूबर तक मुख्य रूप से साफ आसमान देखने को मिलेगा। तापमान धीरे-धीरे कम होते हुए अधिकतम 33 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री तक आ सकता है। बारिश के बाद से सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई, कई जगहों पर जलभराव के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर, बच्चों और युवाओं ने बारिश का खूब लुत्फ उठाया। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने बारिश की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हुए खुशी जाहिर की।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में आरएसएस की भूमिका की सराहना की

पीएम मोदी ने कहा-आरएसएस ने कभी कटुता नहीं दिखाई..

नयी दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की पूरी होने जा रही शताब्दी के अवसर पर बुधवार को आरएसएस की प्रशंसा की और कहा कि प्रतिबंधों और साजिशों के बावजूद संगठन ने कभी कटुता नहीं दिखाई क्योंकि यह 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत पर काम करता रहा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में भाग लेते हुए मोदी ने राष्ट्र निर्माण में संघ के योगदान पर प्रकाश डाला और कहा कि संघ जाति या पंथ के भेदभाव को दूर करके सद्भाव को बढ़ावा देने और एक समावेशी समाज का संदेश फैलाने के लक्ष्य के साथ देश के कोने-कोने तक पहुचा है। मोदी ने कहा, ''संघ ने अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। उनका एकमात्र हित हमेशा राष्ट्र के प्रति प्रेम रहा है।'' उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने स्वतंत्रता सेनानियों को शरण दी और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इसके नेता जेल भी गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि आरोप लगाकर और झूठे मामले दर्ज करके आरएसएस की भावना को कुचलने के कई प्रयास किए गए हैं। उन्होंने महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे प्रतिबंध का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, ''आरएसएस ने अपने खिलाफ झूठे मामले दर्ज होने, लगाये गये प्रतिबंध लगाने और अन्य चुनौतियों के बावजूद कभी कटुता नहीं दिखाई, क्योंकि हम ऐसे समाज का हिस्सा हैं जहां हम अच्छे और बुरे, दोनों को स्वीकार करते हैं। उसका

यही मंत्र रहा है कि जो अच्छा है, जो कम अच्छा, सब हमारा है।'' मोदी ने कहा कि तत्कालीन आरएसएस प्रमुख माधव गोलवलकर को भी झूठे मामले में फंसाकर जेल भेज दिया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा, ''फिर भी जब वहबाहर आए तो उन्होंने शांत मन से कहा: ''कभी कभी जीभ दांतों के नीचे आकर दब जाती है, कुचल जाती है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ देते, क्योंकि दांत भी हमारे हैं, जीभ भी हमारी है।'' उन्होंने कहा कि प्रत्येक 'स्वयंसेवक' का लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं में अटूट विश्वास है, जिसने उन्हें चुनौतियों का सामना करने की शक्ति दी। उन्होंने कहा, ''जब आपातकाल लगाया गया, तो इसी विश्वास ने प्रत्येक स्वयंसेवक को उसका सामना करने की शक्ति दी।'' प्रधानमंत्री ने आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट और एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। उन्होंने कहा, ''100 रुपये के सिक्के पर एक तरफराष्ट्रीय चिन्ह है, तो दूसरी तरफ सिह पर विराजमान भारत माता की छवि जबकि स्वयंसेवक भक्ति और समर्पण के साथ उनके सामने नतमस्तक होते दिख रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार भारतीय मुद्रा पर भारत माता की छवि अंकित की गई है, जो अत्यंत गौरव और ऐतिहासिक महत्व का क्षण है।

संघ के खिलाफ साजिशें हुईं, कुचलने के प्रयास हुए

पीएम मोदी ने संघ के खिलाफसाजिशों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, राष्ट्र साधना की इस यात्रा में ऐसा नहीं है कि संघ पर हमले नहीं हुए, संघ के खिलाफसाजिशें नहीं हुईं, हमने देखा है कि कैसे आजादी के बाद संघ को कुचलने का प्रयास हुआ। मुख्यधारा में आने से रोकने के अनगिनत षड्यंत्र हुए। परमपूज्य गुरुजी को झूठे केस में फंसाया गया, उन्हें जेल तक भेज दिया गया। लेकिन जब पूज्य गुरुजी जेल से बाहर आए तो उन्होंने सहज रूप से कहा और शायद इतिहास में सहज भाव एक बहुत बड़ी प्रेरणा है। उन्होंने सहजता से कहा था कि कभी-कभी जीभ दांतों के नीचे आकर दब जाती है, कुचल भी जाती है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ देते हैं, क्योंकि दांत भी हमारे हैं और जीभ भी हमारी है। पीएम ने कहा कि संघ प्रारंभ से राष्ट्रभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है।

महिलाओं के प्रति अपराध में न्यूनतम

सजा दिलाने में नम्बर वन है उत्तर प्रदेश:आदित्यनाथ.....

गोरखपुर/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समस्त प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की महानवमी एवं बृहस्पतिवार को मनाये जाने वाले विजयदशमी पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि नारी शक्ति के बगैर संसार की कल्पना ही नहीं की जा सकती. उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप आबादी के दृष्टिकोण से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद

उत्तर प्रदेश में महिलाओं के प्रति अपराध न्यूनतम है तथा दोषसिद्धि एवं सजा में भी यह राज्य अग्रणी है. एक बयान के अनुसार योगी आदित्यनाथ बतौर गोरक्ष पीठाधीश्वर बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि में कन्या पूजन के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा कि सनातन धर्मावलंबी वर्ष में दो बार शारदीय और वासंतिक नवरात्र में जगतजननी मां भगवती दुर्गा के नौ स्वरूपों का पूजन करते हैं तथा मातृ शक्ति एवं नारी शक्ति के प्रति आस्था का यह पर्व उन्हें नयी प्रेरणा प्रदान करता है. उन्होंने कहा कि आज शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर मां सिद्धिदात्री के स्वरूप के पूजन के साथ कन्या पूजन का अनुष्ठान हो रहा है तथा उनका सौभाग्य है कि गोरक्षपीठ की पवित्र परंपरा के अनुसार उन्हें भी कन्या पूजन का अनुष्ठान करने का अवसर प्राप्त हुआ है.

शिमला में छात्रावास से कूदकर छात्रा ने की आत्महत्या

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला में नौंवी की एक छात्रा ने छात्रावास की पांचवीं मंजिल से कूदकर कर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि मृतका की पहचान जेसिका शर्मा (14) के रूप में हुई है। उसके पिता का नाम दीपक शर्मा है और वह हरियाणा के पानीपत जिले में उरलाना गांव की रहने वाली थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेसिका ने छात्रावास परिसर से छलांग लगायी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गयी थी। छात्रा पिछले दो वर्षों से कोटखाई उपमंडल के अंतर्गत बाघी स्थित निजी डे-बोर्डिंग रूट्स कंट्री स्कूल में पढ़ रही थी।

खड़गे अस्पताल में भर्ती

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पेसमेकर लगाया

बेंगलुरु/ एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बुधवार को पेसमेकर लगाया गया. उनके बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने यह जानकारी दी. पार्टी सूत्रों के अनुसार, 83 वर्षीय खरगे को मंगलवार को शहर के एम एस रमैया अस्पताल में भर्ती कराया गया था. प्रियंक ने कहा कि उनके पिता की हालत स्थिर है और वह बेहतर महसूस कर रहे हैं. प्रियंक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई थी और

उन्हें तय प्रक्रिया के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. उनकी हालत स्थिर है और वह बेहतर महसूस कर रहे हैं. आपकी चिंता और शुभकामनाओं के लिए आप सभी का आभारी हूं. बाद में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि खरगे की हालत स्थिर है और किसी को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा, डॉक्टरों ने उम्र संबंधी समस्याओं और सांस लेने में तकलीफ के कारण पेसमेकर लगाने की सलाह दी थी. उन्होंने कहा था कि हृदय गति स्थिर रखने के लिए यह ज.रूरी है. इसके अलावा कोई समस्या नहीं है. प्रियंक ने कहा, प्रक्रिया पूरी हो चुकी है. सब कुछ ठीक और स्थिर है. किसी को चिंता करने की कोई ज.रूरत नहीं है. लोगों के आशीर्वाद और शुभकामनाओं से उन्हें (खरगे) कोई और समस्या नहीं है.

हिमाचल में सीमेंट महंगा

नड्डा बोले-जनता की जेब काट रही कांग्रेस

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि जीएसटी बचत उत्सव से राहत मिली है, लेकिन हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार सीमेंट के दाम कम करने के बजाय बढ़ा रही है, जिससे लोगों पर बोझ बढ़ रहा है और प्राकृतिक आपदाओं के बीच अपनी तिजोरी भरने की कोशिश कर रही है। एक वीडियो संदेश में, जेपी नड्डा ने कहा कि एक तरफजीएसटी बचत उत्सव को लेकर खुशी है, लेकिन दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार जनता पर कर का बोझ बढ़ा रही है। हम जानते हैं कि हिमाचल

प्रदेश बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपदा से उबरने की कोशिश कर रहा है। नड्डा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से, हिमाचल प्रदेश में पुनर्निर्माण को ध्यान में रखते हुए, सीमेंट पर राहत प्रदान की गई।

खेल या युद्ध, जीत हमेशा भारत की:सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खेल के मैदान में हमारे खिलाड़ी हों या युद्ध के क्षेत्र में सैनिक, जीत हमेशा भारत की हुई है। एशिया कप में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान को हराकर भव्य जीत दर्ज की है। मुख्यमंत्री सोमवार को लाडवा विधानसभा की बाबैन तहसील में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अनाज मंडियों में किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए प्रदेश सरकार पूरा ध्यान रख रही है। धान खरीद के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आज के मशीनी युग में फसल कटाई मशीनों से होती है, जिससे फसल तुरंत अनाज मंडियों तक पहुंच रही है। धान खरीद से पहले फसल में नमी की मात्रा 17 प्रतिशत से ज्यादा न हो।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों पर फोकस

छत्तीसगढ़ में पहली बार डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह होंगे शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ अगले महीने पहली बार अखिल भारतीय डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन की मेजबानी करेगा। 28 नवंबर से शुरू होने वाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देशभर से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। आंतरिक सुरक्षा, नक्सल विरोधी अभियान और साइबर सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर इस दौरान गहन चर्चा की जाएगी। सम्मेलन के 60वें संस्करण का उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे, जबकि समापन सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने की संभावना है। प्रधानमंत्री 1 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस समारोह में छत्तीसगढ़ आने की भी संभावना है। अधिकारियों के मुताबिक, डीजीपी और आईजीपी रैंक के लगभग 250 वरिष्ठ अधिकारी प्रत्यक्ष रूप से मौजूद रहेंगे, जबकि 200 से अधिक अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। इस बार सम्मेलन में नक्सल प्रभावित इलाकों पर विशेष जोर रहेगा। खासकर छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में हाल के महीनों में राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों के संयुक्त अभियानों से मिली बड़ी सफलताओं पर चर्चा होगी। इसके आधार पर आगे की नई रणनीतियाँ तय की

जाएंगी। केंद्रीय गृह मंत्री पहले ही नक्सल समस्या को पूरी तरह खत्म करने की समय सीमा 31 मार्च 2026 तय कर चुके हैं। सम्मेलन में नक्सलवाद के साथ-साथ मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक, जम्मू-कश्मीर की स्थिति और सीमा प्रबंधन जैसे राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी विचार-विमर्श होगा। अधिकारियों और प्रधानमंत्री के बीच नाश्ते, दोपहर और रात्रिभोज के दौरान भी विषयगत चर्चाओं की योजना है, जिससे सीधे संवाद का अवसर मिलेगा। 2013 तक यह वार्षिक बैठक हमेशा नई दिल्ली में होती थी, लेकिन 2014 के बाद से इसे देशभर के विभिन्न शहरों में आयोजित किया जा रहा है। अब तक यह सम्मेलन गुवाहाटी, कच्छ, हैदराबाद, टेकनपुर, केवड़िया, पुणे, लखनऊ, दिल्ली, जयपुर और भुवनेश्वर में हो चुका है। छत्तीसगढ़ में यह पहली बार होने जा रहा है।

केंद्र सरकार ने कई अहम फैसले लिए

केंद्र सरकार ने 160 प्रति क्विंटल बढ़ाई गेहूं की एमएसपी हाईवे और रिसर्च प्रोग्राम को मंजूरी दी-अश्विनी वैष्णव...

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्र सरकार ने बुधवार को कई अहम फैसले लिए। इसकी जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि गेहूं की एमएसपी ?160 प्रति क्विंटल बढ़ाकर 2,585 प्रति क्विंटल कर दिया गया है। वहीं रबी सीजन 2026-27 में सरकार 297 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद का अनुमान लगा रही है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'रबी सीजन की रूक्क बढ़ाने से कुल 84263 करोड़ रुपए हमारे किसानों भाईयों के मेहनत के इसमें जाएंगे...रबी सीजन 2026-27 के दौरान अनुमानित खरीद 297 लाख मीट्रिक टन होने की संभावना है और प्रस्तावित एमएसपी पर किसानों को भुगतान की जाने वाली राशि 84,263 करोड़ रुपये है। कैबिनेट के फैसलों पर प्रेस को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'रबी सीजन के लिए एमएसपी बढ़ाने के फैसले से हमारे किसानों को उनकी कड़ी मेहनत का लाभ मिलेगा। सीएसीपी की सिफारिशों के आधार पर, छह प्रमुख रबी फसलों, गेहूं, जौ, चना, मसूर, रेपसीड, सरसों और सूरजमुखी के लिए एमएसपी को मंजूरी दी गई है। नीति यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक फसल के लिए

एमएसपी उत्पादन लागत पर न्यूनतम 50त का मार्जिन प्रदान करे। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, 'भारत, दुनिया के सबसे बड़े दाल उत्पादकों और उपभोक्ताओं में से एक है। 2024 के भाजपा घोषणापत्र में दालों के लिए एक मिशन बनाने की बात कही गई थी और हम आत्मनिर्भरता हासिल करने और आयात में कटौती के लिए 11,440 करोड़ रुपये का मिशन शुरू कर रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य बेहतर बीजों के साथ उत्पादकता में सुधार, खेती को 275 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 310 लाख हेक्टेयर करना और खेती से लेकर भंडारण तक पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करना है। इसका लक्ष्य उपज को 881 किलोग्राम से बढ़ाकर 1,130 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर करना है, जिससे उत्पादन में बढ़ोतरी और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित होगी। केंद्रीय कैबिनेट ने असम में कालीआबर-नुमालिगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग-715 के 86 किमी हिस्से को चार लेन बनाने की मंजूरी दी है। इस परियोजना की लागत ?6,957 करोड़ होगी। इसमें काजीरंगा नेशनल पार्क के बीच से गुजरते हुए 34 किमी लंबा ऊंचा पुलनुमा (एलिवेटेड वायाडक्ट) बनाया जाएगा। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने 'बायोमेडिकल रिसर्च करियर प्रोग्राम' (फेज-3) को भी हरी झंडी दी है। इस योजना पर 1,500 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इसका उद्देश्य मेडिकल और वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा देना है।

पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

यूट्यबूर बन करता था पाक के लिए जासूसी..

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की टीम ने पाकिस्तान को खुफिया जानकारी देने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच ने हरियाणा के पलवल स्थित हथीन क्षेत्र के कोट गांव निवासी वसीम अकरम को गिरफ्तार किया है। वसीम पेशे से एक यूट्यूबर है। वसीम की गिरफ्तारी हाल ही में 26 सितंबर को पकड़े गए आली मेव निवासी तौफीक से पूछताछ के बाद हुई है। पुलिस रिमांड के दौरान तौफीक ने गिरोह से जुड़े लोगों और पाकिस्तानी नेटवर्क के बारे में जानकारी दी। क्राइम ब्रांच प्रभारी दीपक गुलिया के नेतृत्व में टीम

ने यह कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, वसीम के पिता मकसूद गांव में अस्पताल चलाते हैं और उनकी रिश्तेदारी पाकिस्तान में है। साल 2021 में वसीम ने रिश्तेदारी में मिलने के लिए पाकिस्तान जाने का वीजा बनवाया था।

दिव्यानी चिटफंड के फरार आरोपी राजेश को यूपी से पकड़ने में बालोद पुलिस को मिली सफलता

9 डायरेक्टर पूर्व में किये जा चुके है गिरफ्तार

बालोद। करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाले चिटफंड के फरार आरोपी को पुलिस ने पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की हैं। दिव्यानी प्रापर्टी लिमिटेड नामक चिटफंड कंपनी के डायरेक्टर को की वर्ष 2015 से फरार था, उस आरोपी को बालोद पुलिस ने गिरफ्तार किया हैं। बताया गया है की छत्तीसगढ़ व अन्य राज्य के विभिन्न जिलो की पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी, वहीं कंपनी के कुल 9 डायरेक्टारों को अब तक गिरफ्तार किया जा चुका है। उक्त कंपनी के विरूद्ध बालोद थाने में 2 अपराध पंजीबद्व किया गया है। बालोद थाने में दर्ज रिपोर्ट अनुसार दिव्यानी प्रापर्टी लिमिटेड नामक चिटफंड कंपनी के संचालक के द्वारा एजेन्ट के माध्यम से कंपनी की लुभावनी स्कीम एवं अधिक ब्याज का लालच देकर षड्यंत्र पुर्वक आम जनता से करोडों रुपये जमा कराकर परिपक्वता तिथि एवं समयावधि में राशि नही देकर निवेशकों एवं प्रार्थी से धोखाधड़ी कर कंपनी को बंद कर भाग गए थे। जिसकी सूचना पर आरोपीयों के खिलाफ नामजद अपराध क्रमांक 140/15 व 319/ 2016 धारा 420, 467, 468, 471, 406, 34 भादवि, 3, 4, 5 ईनामी चिटफंड एवं धन परिचालन स्कीम पाबंदी अधिनियम, धारा 10 छ.ग. निपेक्षकों के हितो का सरंक्षण अधिनियम, का अपराध पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया था। प्रकरण के विवेचना में नामजद 9 डायरेक्टर पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल

वही अन्य आरोपीगण घटना के बाद से लगातार फरार होने से दुर्ग रेंज आइजी राम गोपाल गर्ग के निर्देशन पर एसपी योगेश पटेल के मार्गदर्शन में एएसपी मोनिका ठाकुर एवं एसडीओपी देवांश सिंह राठौर के द्वारा चिटफंड के फरार आरोपी की पता तलाश हेतु पूर्व में विशेष टीम मध्यप्रदेश के भिण्ड, मुरैना, ग्वालियर टीम भेजा गया था, जिन्होने पूर्व में उत्तप्रदेश के ग्राम साला सीमार निवासी आरोपी राजेश कुमार यादव पिता गिरदावल सिंह (37) के घर पर रेड़ कार्यवाही किया गया था, जो अपने सकुनत से फरार होने से उक्त आरोपी पुलिस की पकड़ में नही आया था। जिसकी सायबर तकनीकी के माध्यम से राजेश कुमार यादव सायबर सेल एवं बालोद थाना स्तर पर टीम गठित कर उत्तरप्रदेश भेजा गया था। गठित टीम द्वारा सूझबूझ से आरोपी फरार आरोपी राजेश को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। पुछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि वर्ष 2013 में काम की तलाश पर ग्वालियर पहुंचा। जहां इनकी मुलाकात दिव्यानी प्रॉपर्टी लिमिटेड के डायरेक्टर विपिन सिंह से हुआ। जिसके कंपनी में अन्य डायरेक्टर सीमा चौधरी, राजकुमार यादव थे। दिव्यानी प्रॉपर्टी लिमिटेड कंपनी में कुछ समय तक काम करने के बाद वर्ष 2015 में कंपनी में दिव्यानी प्रॉपर्टी लिमिटेड के डायरेक्टर बना। दिव्यानी प्रॉपर्टी लिमिटेड का कार्य मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में फैला हुआ था। दिव्यानी प्रॉपर्टी लिमिटेड के माध्यम से लोगों से राशि आसान किस्तों में जमा कराते थे, जिन्हे एक निश्चित समय बाद राशि लाभांश के साथ वापस करना था। लेकिन लोगों के द्वारा जमा किये गये राशि कंपनी द्वारा वापस नहीं करना बताये आरोपी द्वारा अपराध घटित करना स्वीकार्य किया है। आरोपी के खिलाफ थाना बालोद में ही अन्य अपराध 420, 34 भादवि एवं इनामी चिट एवं धन परि. पाबंदी अधि. 1978 एवं निक्षे. के हितों के संरक्षण अधि0 2005 की धारा 10 जोडने धरा 467, 468, 471, 406 भादवि कायम है।

चैत्र नवरात्रि पर्व के अष्टमी में हुआ पूर्ण आहूति के साथ महा आरती

बेमेतरा। चैत्र नवरात्रि पर्व के अष्टमी तिथि में विभिन्न देवी मंदिरों मे शुभ मुहूर्त पर यज्ञ के साथ पूर्ण आहूति और महाआरती हुआ तदुपरांत प्रसाद का वितरण किया गया। नवरात्रि के अष्टमी पर्व पर जिला मुख्यालय सहित विभिन्न ग्रामीण और नगरीय निकाय क्षेत्रो मे स्थित विभिन्न देवी मंदिरों में विधि विधान के साथ आचार्यों के सानिध्य में माता की पूजा अर्चना किए गए यज्ञ हवन किया गया और अंत में महाआरती के साथ पूर्णाहुति किया गया है। आरती के बाद प्रसाद वितरण देर शाम तक होता रहा। नवरात्रि पर्व के अष्टमी के दिन सुबह से ही श्रद्धालुओं महामाया, शीतला, भद्रकाली, कालिका बमलेश्वरी, दुर्गा गायत्री मंदिर में जाकर मां का दर्शन करने के लिए आने का क्रम प्रारंभ हो गया था, जहां पर श्रद्धालुओं के द्वारा महाष्टमी पर माता की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद दिए। वहीं कई श्रद्धालुओं ने महा अष्टमी पर्व पर अठावाही चढ़ाया गया। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं के द्वारा माता के सिंगार के विभिन्न सामग्री सहित श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद लिए। यह सिलसिला देर रात तक चलता रहा। इसी बीच विभिन्न शुभ मुहूर्त आचार्य के सानिध्य पर माता की पूजा अर्चना एवं विभिन्न वैदिक मंत्रों के साथ माता की विशेष पूजा किया गया। तदुपरांत हवन हुआ और पूर्णाहुति के बाद महा आरती की गई। इस दौरान विभिन्न

क्षेत्रों से आने वाले जस गीत समिति मंडली के द्वारा भक्ति भाव से बाजे गाजे के साथ जस गीत भी प्रस्तुत किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं की उपस्थिति बनी रहे इसके साथ ही जिला के विभिन्न क्षेत्रों पंडालों में स्थापित दुर्गा स्थलों पर भी श्रद्धालुओं ने जाकर दर्शन किया और आशीर्वाद लिया। वही जो जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों सहित नगर के विभिन्न घरों में श्रद्धालुओं के द्वारा व्यक्तिगत रूप जोत जवारा स्थापित किया गया था जिसका भी विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर हवन पूजन किया गया, जिसका विसर्जन नवमी को सुबह गाजे-बाजे के साथ किया जाएगा।

रोहिंग्या और ढोंगी साधुओ की पहचान अब छुप नहीं सकेगी : डॉ निर्वाणी

धर्म स्तंभ काउंसिल व विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री पवार के बीच चर्चा

बेमेतरा। धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी ने प्रदेश विश्व हिंदू परिषद कार्यालय में संघ के प्राचारक एवं विश्व हिंदू परिषद मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के संगठन मंत्री जितेन्द्र सिंह पवार से विशेष भेंट की,इस मुलाक़ात में प्रदेश के मठ-मंदिरों की स्वायत्तता, प्राचीन धार्मिक धरोहरों के संरक्षण एवं सनातन परंपरा की निरंतरता पर विस्तार से चर्चा हुई।

रोहिंग्या घुसपैठियों द्वारा साधु-वेश धारण का मुद्दा

मुलाकात में विशेष चिंता व्यक्त की गई कि हाल के वर्षों में कुछ रोहिंग्या और असामाजिक तत्व साधु-वेश धारण कर मठ-मंदिरों और समाज में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। यह न केवल साधु-संत परंपरा की पवित्रता पर आघात है, बल्कि प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।भोले भाले जनों के श्रद्धा का लाभ उठाकर ठगी करते हैं, विशेषकर महिलाओं को छल पूर्वक ठगी का शिकार बनाते हैं, कई जगह यह भी देखा गया कि किसी वारदात को अंजाम देने से पहले ये इसी रूप में रेकी करते हैं। इस समस्या के समाधान हेतु निम्न प्रस्ताव सामने आया प्रत्येक साधु-संत की परंपरा, गुरु-दीक्षा और अखाड़ा/मठ से संबद्धता का डेटा-बैंक तैयार किया जाएगा। सभी मान्य संतों को डिजिटल और फिजिकल परिचय-पत्र जारी किए जाएंगे प्रशासन व समाज के सहयोग से भेषधारी घुसपैठियों की पहचान कर निष्कासन की प्रक्रिया तेज़ की जाएगी। मीडिया और समाज को सतर्क कर इस छल और ढोंग के प्रति जनजागरण अभियान चलाया जाएगा डॉ. निर्वाणी ने स्पष्ट किया कि मठ-मंदिर केवल आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। इनके संरक्षण के लिए समाज और संगठनों को मिलकर ठोस कदम उठाने होंगे। इस अवसर पर डॉ. सौरव निर्वाणी ने संगठन मंत्री जितेंद्र सिंह पवार को शबरी के राम पुस्तक भेंट की। वीएचपी के संगठन मंत्री जितेन्द्र पवार ने धर्म स्तंभ काउंसिल की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि मठ-मंदिरों की रक्षा और साधु परंपरा की शुचिता की सुरक्षा, समाज और राष्ट्र की रक्षा है। विश्व हिंदू परिषद प्रदेश में धर्म स्तंभ काउंसिल के कार्यों कीं सराहना करता है । यह मुलाकात प्रदेश में मठ-मंदिर संरक्षण एवं साधु परंपरा की शुचिता के लिए एक निर्णायक कदम साबित होगी।

डिकेश साहू भाजपा के जिला महामंत्री मनोनित जिलेभर के युवा कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार

डोंगरगांव नगर। भाजपा के जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। राजनांदगाँव जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं महामंत्री संगठन पवन साय की सहमति से 30 पदाधिकारियों की सूची जारी की है। जिलाध्यक्ष द्वारा जारी सूची में भाजपा संगठन ने डोंगरगांव के युवानेता डिकेश साहू को जिला महामंत्री मनोनित किया है। उल्लेखनीय है कि डिकेश साहू लंबे समय से पार्टी में सक्रियता से जुटे हुए हैं। वे वर्तमान में भाजयुमो जिला महामंत्री हैं। वे नगर पंचायत डोंगरगांव के पार्षद रह चुके हैं। वे पार्टी संगठन में विभिन्न नीति व कार्यक्रमो में महती भूमिका निभाते हुए पार्टी में महत्वपूर्ण योगदान देते आए हैं। उनकी नियुक्ति से जिलेभर में युवा कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है। नवनियुक्त जिला महामंत्री साहू ने मीडिया से चर्चा में कहा कि वे प्रदेश नेतृत्व एवं जिले के समस्त नेताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। युवानेता डिकेश साहू को जिला भाजपा महामंत्री मनोनीत होने पर जिलेभर के नेताओं ने बधाई देते हुए आशीर्वाद प्रदान किया है। वहीं जिलेभर के युवा नेताओं सहित विशेषकर डोंगरगांव क्षेत्र के युवा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने बधाई व शुभकामनाएँ प्रेषित की है। इस नियुक्ति से डोंगरगांव क्षेत्र के युवाओं में बेहद सकारात्मकता का संचार देखा जा रहा है।

खमरिया आर में हो रहे शतचंडी यज्ञ में शामिल हुए आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत खमरिया आर में हो रहे शतचंडी यज्ञ में पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा शामिल हुए ज्ञात हो की नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्रामवासी तथा आसपास के क्षेत्र वासियों के सहयोग से किए जा रहे सत चंडी महायज्ञ महोत्सव तथा संत समागम का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जो आचार्य पंडित राम प्रताप शास्त्री के द्वारा शतचंडी पाठ का वाचन किया जा रहा है। इस महायज्ञ महोत्सव में पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने पहुंचकर पूजा-अर्चन किया तथा क्षेत्र वासियों के लिए खुशहाली का आशीर्वाद माता रानी से मांगा। इस दौरान पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने ग्राम एवं आसपास के क्षेत्र में दुर्गा पंडाल में जाकर माता के दर्शन किए एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि शक्ति आराधना का यह पर्व हमारे जीवन में अपार ऊर्जा का संचार करता है। नवरात्रि की यह पावन बेला लोगों के जीवन में एक नया संचार बनकर आए यही माता रानी से विनती है। आपसी सदभाव तथा प्रेम को बढ़ावा देने वाला यह पर्व हम सभी में भाईचारे को बढ़ाएं और सभी को संपन्नता प्राप्त हो। इस अवसर पर धनेंद्र महावीर साहू राजकुमार बंजारे निलेश ठाकुर लक्ष्मण साहू उमेश साहू जयराम साहू महेंद्र साहू संतोष टंडन पुनाराम साहू कविलास साहू लाला साहू भगवती साहू सेवक निषाद ऋषि निषाद तिलक साहू अश्वनी यादव रोशन साहू संतोष साहू सहित सैकड़ो की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नौ कन्या भोज के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

डोंगरगांव नगर। कन्या भोज नवरात्रि के दौरान एक विशेष धार्मिक परंपरा है, जिसमें नौ कन्याओं को माँ दुर्गा का प्रतीक मानकर स्वरूचि भोजन कराया जाता है। इस अनुष्ठान में कन्याओं के पैरों को धोकर, तिलक लगाकर और चुनरी ओढ़ाकर उन्हें शुद्ध आसन पर बैठाया जाता है, उन्हें हलवा-पूरी, काले चने और खीर का पारंपरिक भोग परोसा जाता है। अंतिम में उपहार भेंट किये जाते हैं। इसी नियमो का पालन करते हुए भोज साहू पर्यावरण प्रेमी ने अपने निवास में नौ कन्या भोज कराकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए सभी नौ कन्याओं को भोजन के बाद उपहार स्वरूप श्रृंगार सामग्री भेंट किया। वहीं पालिथीन की जगह पर कपड़े से निर्मित बायोडिग्रेडेबल थैला भेंट करके सभी नौ कन्याओं को एक एक गुड़हल फुल का पौधा गमले के साथ दिया।

मनोकामना पूर्ण करने वाली माता भद्रकाली क्षेत्र का प्रसिद्ध मंदिर

बेमेतरा। नगर की ऐतिहासिक शक्तिपीठ मां भद्रकाली का मंदिर छत्तीसगढ़ क्षेत्र में बहुचर्चित है। शहर के मध्य बाजार के पास तालाब के किनारे स्थित यह मंदिर पूरे 12 माह क्षेत्रवासियों के लिए भव्य आकर्षण का केन्द्र बना रहता है। खासतौर पर चैत एवं आश्विन शारदीय नवरात्रि पर्व में यहां लोगों का तांता लगा रहता है। यहां सिद्ध पीठ मां भद्रकाली के मंदिर में हनुमान जी, भैरव बाबा की प्रतिमा है। संस्थान द्वारा हवन स्थल के ऊपर छत भगवान शंकर की विशाल मूर्ति के, साथ पार्वती जी, गणेश जी तथा नंदी मूर्ति का निर्माण किया गया है यह मंदिर आज छत्तीसगढ़ वासियों के लिए आकर्षण एवं मनोकामना पूर्ण करने वाली के नाम से प्रसिद्ध है। लगभग 5-6 दशक पूर्व मां भद्रकाली की प्रतिमा नगर के मध्य उपेक्षित एवं अव्यवस्थित थी, जहां पर गंदगी, जुआ एवं धूम्रपान करने बालों का जमघट लगा रहता था, वहां आज विधिवत् विशाल मंदिर की स्थापना हो गई है। जानकारी के अनुसार करीब डेढ़ सौ से अधिक समय से मां की मूर्ति तालाब पर स्थापित है। इसके निश्चित समय के बारे में कोई नहीं जानता, फिर भी करीब 1950 यहां की देखरेख एवं दीप प्रज्जवलित करने की शुरुआत रामगोपाल सोनी (माहेश्वरी) ने मंदिर में किया था। बाद में 1968 से यहां कृषि विभाग में कार्यरत कृषि विस्तार अधिकारी लेखराम शर्मा के द्वारा प्रथम ज्योति स्थापित किया गया और उनके नेतृत्व में नियमित पूजा-पाठ आरंभ हुआ। पौराणिक कथा के अनुसार मां सती के द्वारा अग्नि में प्रवेश करने के उपरान्त भगवान शंकर उनके शव को कंधे पर लेकर वापसी लौटते समय मां सती का अंग जहां भी गिरे वहां पर शक्तिपीठ के रूप में माता प्रसिद्ध हुए। इस कड़ी में के रूप में बेमेतरा में मां भद्रकाली स्थापित हुए है। नगर वासियों का ध्यान धीरे धीरे मां की तरफ गया। लेख राम शर्मा ने मंदिर का जीर्णोद्धार कराया, जिनसे प्रभावित होकर ग्राम पतोरा निवासी आर.पी. शर्मा पूर्व तहसीलदार एवं अधिवक्ता ने मंदिर के प्रमुख दरवाजे की सीढ़ी का निर्माण कराया। इस मंदिर की मां भद्रकाली के संबंध में डोंगरगढ़ निवासी रामकृष्ण शुक्ल ने तीन अप्रेल 1990 को नवरात्रि पर्व पर मां बम्लेश्वरी के संबंध में जो लेख लिखा है। उसमें बताया गया है कि उन्हें डोंगरगढ़ में एक संत का दर्शन हुआ, जिन्होंने बहुत प्रयास के बाद भी अपना परिचय नही दिया। लेकिन उस अज्ञात संत ने शुक्ल जी को बताया कि मां भद्रकाली (बेमेतरा) और मां बम्लेश्वरी के पर्वतीय गढ़ से एक गुप्त मार्ग (बेमेतरा) जिला दुर्ग में भद्रकाली स्थित भद्रकाली को क्रमशः खैरागढ़ की दंतेश्वरी अतरिया (छुईखदान) की नर्मदा माता, गड़ई माता, धमधा स्थित महामाया, देवकर की वाहीश्वरी देवी से संबंध करता है। यह मार्ग 62 किमी लम्बी है। इस मंदिर में पहले संध्या के द्वारा ज्योति की स्थापना की जो बाद में बढ़ते-बढ़ते 1540 मनोकामना ज्योति प्रज्जवलित हो रही है। यहां लोग उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, आंध्रप्रदेश, उड़ीसा आदि स्थानों से मनोकामना ज्योति प्रज्जवलित करने आते हैं। सिद्ध पीठ माता श्री भद्रकाली छत्तीसगढ़ में प्रसिद्ध है, जो नगर के लिए ऐतिहासिक धरोहर के रूप में एक पर्यटन केन्द्र के रूप विकसित हो गया। संस्थान द्वारा निर्माण कार्य जारी है। वर्तमान में संस्थान द्वारा विभिन्न का कार्य किया गया है जिसमें एक हाल का निर्माण दो मंजिला कर दिया गया है,बाहर से आने वाले महराज लोगों के लिए रहने का स्थान, आधा किलो का माता के लिए सोने का मुकुट है जिसे नवरात्र पर्व पर पहनाया जाता है। एक धर्मशाला का निर्माण करने की योजना है जो कलेक्टर के पास लंबित है। इसके निर्माण होने पर शादी एवं अन्य कार्य के लिए नि शुल्क रहेगा, वर्तमान में एक हाल को निःशुल्क दिया जाता है।

खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की योजनाओं से स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, जिला पंचायत बेमेतरा के माध्यम से युवाओं एवं आम नागरिकों के लिए स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (ऑफलाइन) तथा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (ऑनलाइन) संचालित किए जा रहे हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत पात्र आवेदकों को बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाता है तथा शासन द्वारा अनुदान का लाभ भी दिया जाता है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, भारत सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रायोजित है। इस योजना के अंतर्गत आयोग द्वारा जारी नकारात्मक उद्योगों को छोड़कर किसी भी ग्रामोद्योग इकाई की स्थापना हेतु बैंक से ऋण प्रदाय किया जाता है। सेवा क्षेत्र में 20 लाख रुपये तक और विनिर्माण क्षेत्र में 50 लाख रुपये तक की परियोजनाओं को स्वीकार किया जाता है। इसमें ग्रामीण क्षेत्र के हितग्राही को 35 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्र के हितग्राही को 25 प्रतिशत तक अनुदान का लाभ मिलता है। सामान्य वर्ग के पुरुष ग्रामीण हितग्राही को 25 प्रतिशत तथा शहरी हितग्राही को 15 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। इस योजना में सामान्य वर्ग के पुरुष को 10 प्रतिशत और अन्य वर्गों एवं महिलाओं को 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान करना अनिवार्य है। ऋण राशि को अधिकतम सात वर्षों में आसान किस्तों के साथ ब्याज सहित चुकाना होता है। इस योजना का आवेदन केवल ऑनलाइन किया जा सकता है, जिसके लिए आवेदक को पोर्टल में जाकर पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जाति प्रमाणपत्र, अंकसूची, निवास प्रमाणपत्र और प्रोजेक्ट रिपोर्ट अपलोड करना होगा। वहीं मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम राज्य शासन द्वारा प्रायोजित योजना है। इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के हितग्राहियों के लिए सेवा क्षेत्र में 1 लाख रुपये तक और विनिर्माण क्षेत्र में 3 लाख रुपये तक लागत की परियोजनाओं को स्वीकार किया जाता है।

ग्राम पंचायत अंगारी की सरपंच और जिला सरपंच संघ की उपाध्यक्ष का पति गिरफ्तार

धोखाधड़ी और छलपूर्वक खाली जमीन बताकर करवाई रजिस्ट्री, थमाया 74.68 लाख का फर्जी चेक, हुआ बाउंस, 5 सहित अन्य पर एफआईआर, एक गिरफ्तार

बालोद। जिले में एक जमीन घोटाले का बड़ा मामला सामने आया है, जहां धोखाधड़ी और छलपूर्वक भवन निर्माण हुए जमीन को खाली जमीन बताकर 5 से अधिक लोगों ने 74 लाख 68 हजार रुपये से अधिक की ठगी की है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, और अन्य फरार आरोपी की तलाश पुलिस कर रही है। मामला बालोद थाना क्षेत्रान्तर्गत पाररास का है। प्राप्त जानकारी अनुसार नगर पालिका बालोद क्षेत्रान्तर्गत पाररास रोशन नगर वार्ड क्रमांक 20 निवासी दीन दयाल योग वेदांत फाउंडेशन के संचालक दीनदयाल जेठूमल पिता केजूराम (47) ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि 25 जुलाई 2025 से 13 अगस्त 2025 तक परसराम साहू, अश्वनी डडसेना, तारुन पाटिल, जगतराम साहू, लेखराम साहू ने उनके अन्य साथियों के साथ भूमि जिस पर लाखों रूपये का भवन निर्माण है, उसे खाली भूमि बताकर धोखे में रखकर जमीन रजिस्ट्री कराकर कुल 74 लाख 68 हजार रुपये की धोखाधड़ी की है। मामले में पुलिस ने बीएनएस की धारा 318 (4), 61(2), 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्व किया हैं।

बहला-फुसलाकर दबावपूर्ण कराई रजिस्ट्री

दीनदयाल जेठूमल ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि वे अपनी भूमि को बेचना चाह रहे थे, इसी बीच माह जुलाई वर्ष 2025 में दुर्ग जिले के पाटन तहसील अंतर्गत ग्राम अचानकपुर निवासी परसराम साहू पिता छत्तर राम साहू अपने साथी तरूण पाटिल एवं अन्य कुछ साथियों के साथ आकर उनसे संपर्क किया और आश्रम की भूमि भवन को क्रय करने का प्रस्ताव रखा, तब उन्होंने अपनी भूमि भवन की कीमत एक करोड़ रूपये बताया किंतु वे लोग मेरी परेशानी को जानते थे कि मैं मानसिक रूप से काफी परेशान हूं, इसका फायदा उठाते हुए उन्होंने मीठा-मीठा बातचीत करके बहला-फुसलाकर उक्त भूमि भवन को 81 लाख 71 हजार रूपये में खरीदने का सौदा किया और जल्द ही एग्रीमेंट करने का आश्वासन दिया। साथ ही इसकी चर्चा किसी से भी नहीं करने भी कहा। फिर 2 दिन बाद दीनदयाल के अकाउंट में परस साहू ने 1 लाख रूपये ट्रांसफर किया। जिसके बाद 25 जुलाई 2025 को परसराम साहू ने दीनदयाल को कॉल करके न्यायालय के सामने टाइपिंग करने वाले के पास आने को कहा और ऋण पुस्तिका और आधार कार्ड साथ में लेकर आने कहा। दीनदयाल के वहाँ पहुचने पर परसराम साहू, अश्वनी डडसेना और उसके अन्य साथी स्टाम्प में कागजात को टाइप करवाकर तैयार रखे थे और उन्होंने दीनदयाल को उन कागजातों पर बिना पढे हस्ताक्षर करने को कहा, जो कि इकरार नामा की नही बल्कि बिक्रीनामा की बनी थी। जिसका दीनदयाल के द्वारा विरोध किया गया कि बिना पूरा पैसे दिए डायरेक्ट बिक्री रजिस्ट्री कैसे करवा रहे हो..? दीनदयाल अड़ गया कि जब तक पूरा पैसा नही मिल जाता तब तक रजिस्ट्री नही करेंगे। जिसके बाद परस और अश्वनी ने रजिस्ट्री मार्केट रेट में करने की बात कहकर 6 लाख 3 हजार और 74 लाख 68 हजार का फर्जी चेक देकर 10 दिन के बाद बैंक में लगाने कहा। और बहला फुसलाकर दबावपूर्वक लिखा पढी की रजिस्ट्री करवा लिए।

परस और अश्वनी के खिलाफ कई थानों में है अपराध पंजीबद्व

उन्होंने आगे अपनी शिकायत में बताया कि रजिस्ट्री हेतु गवाह भी परस साहू और अश्विनी डड्सेना ही लेकर आये थे। उन्होंने बताया की जब उनके द्वारा उक्त चेक को भुगतान हेतु एचडीएफसी बैंक के खाते में में जमा किया, तो चेक बाउंस हो गया चेक बांउस के बारे में परसराम को बताने और सौदे की शेष राशि मांगने पर 'रजिस्ट्री करा लिया हुं, तुमको जो करना है कर लो, मैं कोई रकम नहीं दूंगा, कहकर जवाब दिया गया। तब दीनदयाल द्वारा लिखा पढ़ी रजिस्ट्री की प्रतिलिपि निकलवाया गया, तब पता चला कि कि परसराम व उसके साथियों द्वारा भूमि पर जो लाखों रुपए का भवन निर्माण है, उसे छिपाकर खाली भूमि बताकर रजिस्ट्री करवाए है। जबकि दीनदयाल द्वारा कई वर्षों से उस भूमि पर बने भवन का विभिन्न प्रकार का टैक्स शासन को अदा करते आ रहे हैं। इस तरह परस साहू और अश्वनी डड्सेना सहित उनके साथियों के द्वारा उनके साथ धोखाधड़ी किया गया हैं। दीनदयाल ने पुलिस को अपनी शिकायत में आगे बताया कि उक्त सभी लोग जमीन खरीदी एवं बिक्री के नाम से धोखाधडी करते है, इनके नाम से पाटन, उतई, अमलेश्वर व अन्य कई थानो में धोखाधड़ी के कई अपराध पंजीबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

शराब के नशे में पति ने की पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले से एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। यहां कोतवाली थाना क्षेत्र के लाछा गांव में शराब के नशे में एक पति ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मृतिका रानिया कथित तौर पर शराब पीने की आदी थी, जिसके कारण पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। शनिवार रात को भी दोनों ने साथ में शराब पी, जिसके बाद उनका आपसी विवाद काफी बढ़ गया। गुस्से में आकर पति ने पास पड़ी टांगी की बेंत (हत्थे) से अपनी पत्नी के सिर और पेट पर वार कर दिया। हमला करने के बाद आरोपी पति वहीं पर सो गया। सुबह जब उसका शराब का नशा उतरा, तो उसने देखा कि उसकी पत्नी की मौत हो चुकी है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में इस्तेमाल की गई टांगी को भी जब्त कर लिया है। पुलिस ने फ्लिहाल मर्ग कायम कर लिया है और मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

तेज रफ्तार बूम बेरियर तोड़ते खंभे से भिड़े, एक मौत, दो घायल

रायपुर। वाहन चलाते समय रफ्तार पर नियंत्रण नहीं रख पाना तीन युवकों के लिए घातक साबित हुआ है। हादसे में एक युवक की जहां मौत हो गई वहीं दो अन्य भी गंभीर रूप से घायल हैं। बताया गया कि एक बाइक पर सवार होकर इनकी तेज रफ्तार बाइक रजकम्मा टोल गेट के बूम बैरियर को टक्कर मारते आगे निकल गई। रफ्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बूम बेरियर उखड़ कर फेंका गया, इसके बाद भी बाइक की रफ्तार कम नहीं हुई और आगे जाकर अनियंत्रित होते हुए खम्भे से जा टकराई। इसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो जबकि दो अन्य गंभीर हैं। दर्दनाक यह घटना टोल नाका के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना का लाइव फुटेज सामने आया है।

सूरजपुर में शराब के नशे में पति ने की पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले से एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। यहां कोतवाली थाना क्षेत्र के लाछा गांव में शराब के नशे में एक पति ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मृतिका रानिया कथित तौर पर शराब पीने की आदी थी, जिसके कारण पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। शनिवार रात को भी दोनों ने साथ में शराब पी, जिसके बाद उनका आपसी विवाद काफी बढ़ गया। गुस्से में आकर पति ने पास पड़ी टांगी की बेंत (हत्थे) से अपनी पत्नी के सिर और पेट पर वार कर दिया। हमला करने के बाद आरोपी पति वहीं पर सो गया। सुबह जब उसका शराब का नशा उतरा, तो उसने देखा कि उसकी पत्नी की मौत हो चुकी है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में इस्तेमाल की गई टांगी को भी जब्त कर लिया है। पुलिस ने फ्लिहाल मर्ग कायम कर लिया है और मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

वीआईपी रोड के कैफे-बार पर पुलिस की सख्ती, नियम उल्लंघन पर कई गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में वीआईपी रोड और उसके आसपास संचालित हो रहे होटल, कैफे और बारों पर पुलिस ने सख्त रवैया अपनाया है। देर रात नियमों की अनदेखी कर व्यवसाय चलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। शनिवार रात चली छापेमारी में पुलिस टीमों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से जुड़े 11 संचालकों और प्रबंधकों को हिरासत में लिया। एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान आधी रात के बाद भी खुले पाए गए कुछ प्रतिष्ठानों पर कानून के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक, इन संस्थानों में कई तरह के नियमों का उल्लंघन हो रहा था—जैसे कि बिना लाइसेंस शराब परोसना, तय समय सीमा के बाद कैफे संचालित करना, और नो पार्किंग एरिया में गाड़ियाँ खड़ी करवाना। इसके अलावा मंदिरहसौद, विधानसभा, माना और अभनपुर क्षेत्रों में स्थित 50 से अधिक होटल, ढाबा और फार्म हाउस के संचालकों को नोटिस जारी किया गया है। इन्हें भविष्य में नियमों के उल्लंघन से बचने की चेतावनी दी गई है, ताकि अगली बार उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जा सके। गुमाश्ता एक्ट के उल्लंघन के मामले में पूर्व में भी डेढ़ दर्जन संस्थानों के लाइसेंस रद्द करने की अनुशंसा पुलिस द्वारा नगर निगम और जिला प्रशासन को भेजी गई थी। इनमें से कुछ जगहों पर अवैध रूप से नशे के सामान की बिक्री की आशंका भी जताई गई है। शनिवार रात की कार्रवाई में जिन व्यवसायियों पर कार्रवाई की गई, उनमें एफएमएप कैफे (वीआईपी रोड) के किशोर लोहिरा, सन्नी नागपाल और हिमांशु नागपाल, 007 कैफे के आदित्य गुप्ता।

मुख्यमंत्री श्री साय रायपुर शहर के विभिन्न गरबा महोत्सव में हुए शामिल

उत्साह, उमंग और सद्भावना बढ़ाने का पर्व है नवरात्रि: मुख्यमंत्री साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय नवरात्रि के पावन पर्व पर विगत रात्रि राजधानी रायपुर स्थित विभिन्न गरबा समारोहों में शामिल हुए। उन्होंने मातारानी का दर्शन कर प्रदेश की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर रायपुर शहर गरबा के रंग में सराबोर दिखाई दिया और हर तरफ उत्सव का उल्लास वातावरण में व्याप्त था। मुख्यमंत्री श्री साय भानपुरी स्थित श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज, आशीर्वाद भवन में श्री गुजराती लोहाणा महाजन समाज द्वारा आयोजित झणकारो 2025, इनडोर स्टेडियम में रंगीलो रास 2025 तथा ओमाया पार्क में रास गरबा उत्सव में सम्मिलित हुए। इन आयोजनों में समाजजनों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक कच्छ पगड़ी पहनाकर और तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया। गरबा की धुनों और रंगारंग माहौल में मुख्यमंत्री की उपस्थिति ने जनसमूह में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। प्रदेशवासियों को

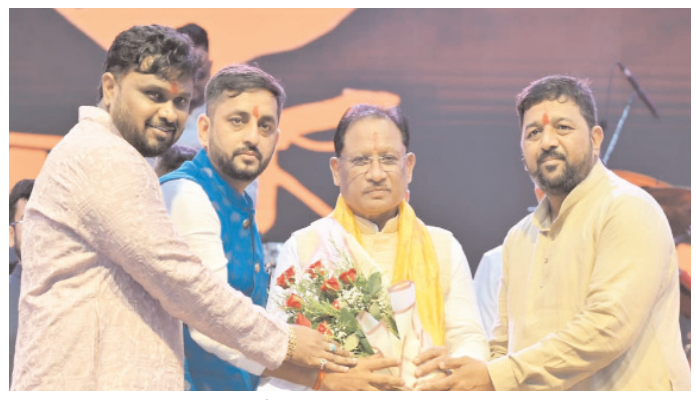

शारदीय नवरात्र की शुभकामनाएँ देते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नवरात्रि उत्साह, उमंग और सद्भावना बढ़ाने का पर्व है। यह पर्व सामाजिक समरसता को और मजबूत करता है तथा जन-जन में ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ में देवी को विभिन्न स्वरूपों में पूजा जाता है और मातृशक्ति के आशीर्वाद से प्रदेश निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दंतेवाड़ा में मां दंतेश्वरी, धमतरी में मां अंगारमोती एवं बिलईमाता, सरगुजा और रतनपुर में मां महामाया, डोंगरगढ़ में मां बम्लेश्वरी जैसे अनेक स्वरूपों में माता प्रदेश में विराजमान हैं। इन सभी शक्तिपीठों का आध्यात्मिक महत्व न केवल प्रदेश की आस्था को मजबूत करता है बल्कि सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भी छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि नवरात्र के प्रथम दिन ही यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जीएसटी रिफॉर्म लागू कर देश की आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान की है। यह सुधार न केवल व्यापार को सुगम बनाएगा बल्कि उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष लाभ भी देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 'बचत उत्सव' के माध्यम से आम नागरिकों की जेब में पैसों की उल्लेखनीय बचत हो रही है और यह अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने लोगों से आह्वान किया कि जब भी बाजार जाएँ तो स्वदेशी वस्तुओं की खरीदी को प्राथमिकता दें। स्वदेशी से न केवल देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है बल्कि स्थानीय स्तर पर उत्पादन और स्वरोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वदेशी को अपनाना आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम है और यही देश की समृद्धि का आधार बनेगा। इस अवसर पर रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री मोतीलाल साहू, श्री पुरंदर मिश्रा, श्री सुनील सोनी, विधायक श्री अनुज शर्मा, पूर्व विधायक श्री देवजी भाई पटेल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, मंडल आयोग के अध्यक्ष सहित कच्छ कड़वा पाटीदार समाज और श्री गुजराती लोहाणा महाजन समाज के वरिष्ठजन एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

784 नग नशीली दवाइयों के साथ दो गिरफ्तार.....

रायपुर/ संवाददाता

जिले की कुरूद थाना पुलिस ने नशीली दवाइयों की अवैध तस्करी का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से 784 नग नशीली टेबलेट के साथ-साथ मोटर सायकल और मोबाइल फोन भी जप्त किए गए। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। बताा दें कि एसपी धमतरी के निर्देशन में धमतरी पुलिस द्वारा मादक पदार्थ नशे के खिलाफ लगातार चलाया जा रहा है सघन अभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी में दिनांक 28.09.2025 को थाना कुरूद पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो युवक काले रंग की मोटरसायकल क्रमांक सीजी 05 एआर 0433 में ग्राम भाठागांव केनाल रोड से मरौद की ओर नशीली दवाइयों की सप्लाई करने जा रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने ग्राम मरौद केनाल रोड स्थित बजरंग मंदिर के पास घेराबंदी की। यहाँ से दोनों संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। पुछताछ में आरोपियों ने अपना नाम अजय उर्फ राजा कुर्रे पिता कमलेश्वर कुर्रे, उम्र 19 वर्ष, निवासी मरौद थाना कुरूद, जिला धमतरी तथा डिलेश्वर कुमार उर्फ डिलू यादव पिता हेमंत यादव, उम्र 20 वर्ष, निवासी मरौद थाना कुरूद, जिला धमतरी होना बताया जिसके बाद उनकी तलाशी ली गई तो आरोपी अजय उर्फ राजा कुर्रे के पास से पास्मो-प्रोक्सीवोन प्लस कैप्सूल - 48 पत्ता (कुल 384 नग), वजनी 147.84 ग्राम, कीमत 4,262.40/-रूपये,रेडमी स्मार्टफोन - कीमत 3,000 रूपये,हीरो एचएफ डिलक्स मोटरसायकल क्रमांक सीजी 05 एआर 0433 - कीमत 40,000 रूपये वहीं आरोपी डिलेश्वर कुमार यादव से नाइट्रोसन-10 - 04 पैकेट (40 पत्ता) (कुल 400 नग टेबलेट), वजनी 04 ग्राम, कीमत 3,120 रूपये वीवो स्मार्टफोन कुल जप्त सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 54, 382.40 रूपये जब्त किया गया है।

पीएम-जनमन क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच

■ बैगा समुदाय की महिलाएं भी हो रही हैं अभियान से लाभान्वित

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान ने दूरस्थ वनांचलों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने का नया इतिहास रच दिया है। मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) क्षेत्र में पंजीकृत सभी 87 गर्भवती महिलाओं की गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच (ए.एन.सी.) सफलतापूर्वक पूरी की गई है। अभियान के अंतर्गत 15 उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं की पहचान की गई, जिन्हें लोरमी मातृ एवं शिशु अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सोनोग्राफी सहित विशेष जांच उपलब्ध कराई गई। पीवीटीजी समुदाय में सुरक्षित मातृत्व का संबल जहाँ कभी बैगा समुदाय की महिलाएँ प्रसव के समय स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रह जाती थीं, वहीं अब ए.एन.सी. जांच, पोषण परामर्श और संस्थागत प्रसव की तैयारी ने उनके जीवन में सुरक्षित मातृत्व की नई आशा जगाई है। राज्य सरकार की 102 महतारी एक्सप्रेस और मोबाइल मेडिकल यूनिट की सेवाओं ने पहाड़ों और घने जंगलों के बीच रहने वाले बैगा समुदाय की महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच को सहज बनाया है। मितानिन और ए.एन.एम. की सतत भूमिका ने इन महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़े रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अभियान के दौरान केवल चिकित्सा सेवाएं ही नहीं दी गईं, बल्कि महिलाओं और किशोरियों में जागरूकता का प्रसार भी किया गया। उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता, साप्ताहिक आयरन-फोलिक एसिड सेवन और संतुलित आहार पर परामर्श दिया गया।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्राम कुरूवा में सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

कलेक्टर को हटाने के लिए सीएम को लिखा था पत्र

पूर्व गृहमंत्री ननकीराम 4 अक्टूबर का धरने पर बैठने की दी चेतावनी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के पूर्व गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर ने कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें तुरंत हटाने की मांग की है। इस मांग को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र भी लिखा था। छत्तीसगढ़ के पूर्व गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर ने कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें तुरंत हटाने की मांग की है। अपनी मांग को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र भी लिखा था। अब, उन्होंने

चेतावनी दी है कि यदि कलेक्टर को नहीं हटाया गया तो वह 4 अक्टूबर को रायपुर में धरने पर बैठेंगे। ननकीराम कंवर ने कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत को हिटलरशाही तरीके से प्रशासन चलाने और भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उन्हें 3 दिन के भीतर हटाने की मांग की थी। उन्होंने कहा, हमने जब मुख्यमंत्री को सूचना दिया, उस समय (तीन दिन में) बैठ जाना था, लेकिन नवरात्री में व्यस्त होने के कारण मैं 4 तारीख को रायपुर में धरने पर बैठेंगे। कंवर ने 400 महिला स्वसहायता समूहों और फर्जी मुआवजे के मामलों में भी अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कलेक्टर का व्यवहार सही नहीं है और वह कार्यकर्ताओं की उपेक्षा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा, अगर उनके जैसे कार्यकर्ता का काम नहीं होगा और कलेक्टर बदतमीजी करेगा या गलत व्यवहार करेगा।

श्रद्धालुओं का सपना हुआ साकार, हुए रामलला के दर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना ने प्रदेश के हजारों श्रद्धालुओं का सपना पूरा किया है। इस योजना का उद्देश्य वृद्धजनों एवं श्रद्धालुओं को अयोध्या स्थित प्रभु श्री राम जन्मभूमि मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर प्रदान करना है। इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर आध्यात्मिक चेतना का संचार किया है। पूरे प्रदेश से अभी तक 28 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए हैं दर्शन योजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। यात्रा के दौरान आवागमन, ठहरने, भोजन एवं अन्य व्यवस्थाएँ शासन द्वारा सुनिश्चित की जाती हैं। अब तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुँचकर प्रभु श्री रामलला के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त कर चुके हैं और उन्होंने शासन-प्रशासन की यात्रा के दौरान की गई उत्कृष्ट व्यवस्था की सराहना की है। लोगों ने योजना को सराहा बगीचा विकासखंड के ग्राम महुआडीह निवासी गोपी गुप्ता ने कहा कि साठ वर्ष की उम्र तक हमने कभी नहीं सोचा था कि प्रभु श्री रामलला के दर्शन कर पाएंगे, लेकिन सरकार ने यह सपना साकार किया।

किशोरी अमृत सरोवर बना खुशहाली का एक स्त्रोत....

■ 20 साल पुराने तालाब का काया कल्प, सिंचाई और मछलीपालन से बदल रही है ग्रामीणों की जिंदगी

रायपुर/ संवाददाता

जिले के सोनहत जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम किशोरी में मिशन अमृत सरोवर के तहत नवीनीकृत हुआ तालाब आज ग्रामीण जीवन को नई दिशा दे रहा है। कभी अनुपयोगी हो चुका यह तालाब अब ग्रामीणों के लिए दैनिक निस्तार, पशुओं के पेयजल, खेती-बाड़ी और आजीविका संवर्धन का महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। 20 साल पुराने तालाब का कायाकल्प ग्राम पंचायत किशोरी में लगभग 20 वर्ष पुराना तालाब लंबे समय तक उपेक्षा के कारण अनुपयोगी हो गया था। वित्तीय वर्ष 2022- 23 में पंचायत के प्रस्ताव पर इसे मिशन अमृत सरोवर के तहत पुनर्जीवित किया गया। करीब 10 लाख रुपये की लागत से तालाब का जीर्णोद्धार कर इसकी जलभराव क्षमता को तीन गुना बढ़ाकर 10 हजार घनमीटर कर दिया गया। 18 एकड़ खेतों में पहुंचा पानी तालाब के पुनरुद्धार से आसपास के किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। किसान मनोज रक्सेल और अरविन्द सिंह की तीन-तीन एकड़, जबकि सुरेन्द्र, लक्ष्मण, वीरेन्द्र और आनंद की दो-दो एकड़ से ज्यादा भूमि अब सिंचित हो रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राम कथा महोत्सव में हुए शामिल

भवानी मंदिर स्थल का नामकरण कौशल्या धाम करने की घोषणा

■ जगद्गुरू श्री रामभद्राचार्य के दर्शन कर लिया आशीर्वाद, प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कोरबा जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान कोरबा नगरीय क्षेत्र स्थित भवानी मंदिर परिसर में आयोजित श्री राम कथा महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने परिसर में राम कथा वाचन हेतु पधारे श्री श्री 1008 जगद्गुरू श्री रामभद्राचार्य के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने महोत्सव में आए श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सभी को नवरात्रि एवं दशहरा पर्व की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि जगद्गुरू के कोरबा आगमन से ऊर्जाधानी की यह धरती धन्य हो गई है और उनका आशीर्वाद प्रदेशवासियों पर सदैव बना रहेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन माटी माता कौशल्या का मायका है तथा हमारे आराध्य भगवान श्री राम का ननिहाल भी। यहां प्रभु श्री राम ने माता सीता एवं भाई लक्ष्मण के साथ अपने वनवास के दौरान अधिकांश समय व्यतीत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी को पूरा करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। आने वाले दिनों में हमारा राज्य विकसित छत्तीसगढ़ के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प लिया गया है। प्रदेश में नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने

के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हमारे बहादुर जवान साहसपूर्वक नक्सलियों का मुकाबला कर रहे हैं और हमें लगातार सफलता प्राप्त हो रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम के दर्शन का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भवानी मंदिर एवं नव-निर्मित कौशल्या धाम मंदिर पहुँचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेश की खुशहाली, शांति एवं समृद्धि की मंगल कामना की। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच माता भवानी की प्रतिमा पर नारियल, पुष्प, चंदन एवं फल अर्पित कर आरती की। मुख्यमंत्री श्री साय ने नव-निर्मित कौशल्या धाम मंदिर में माता कौशल्या की मूर्ति का नमन किया। इस मंदिर में माता कौशल्या की गोद में बाल रूप में भगवान श्री राम की भव्य प्रतिमा स्थापित है, जो मंदिर का मुख्य आकर्षण है। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का अवलोकन कर निर्माण कार्य की सराहना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं से भेंट कर उनका हालचाल जाना। स्थानीय श्रद्धालु एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री साय का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कोरबा प्रवास के दौरान शहर के घंटाघर ओपन थिएटर मैदान में आयोजित रामलीला महोत्सव में सम्मिलित हुए।

संपादकीय

बिल्डरों और बैंकों की साजिश ने बढ़ाई मध्यवर्ग की मुश्किलें

हर किसी का सपना होता है कि शहर में उसका भी अपना एक घर हो। इसके लिए वह अपने जीवन भर की पूंजी लगा देता है। खासकर मध्यम वर्ग के लोग इस सपने को पूरा करने के लिए अपने दैनिक खर्चे में कटौती कर बैंकों से कर्ज भी लेते हैं। मगर परेशानी तब बढ़ जाती है, जब तय समय पर उन्हें घर नहीं मिल पाता है। जाहिर है यह सब भवन निर्माताओं की मनमानी की वजह से ही होता है। ऐसे मामलों में कर्ज देने वाले बैंकों की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं। देशभर में ऐसे सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें भवन निर्माताओं और बैंकों के बीच साठगांठ के आरोप लगे हैं। इसी घटनाक्रम में सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर के बाद अब मुंबई, बंगलुरु, कोलकाता, मोहाली और प्रयागराज में घर खरीदारों से धोखाधड़ी करने के आरोप में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) को छह नए मामले दर्ज करने की अनुमति दी है। सीबीआइ का कहना है कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इस संबंध में संज्ञेय अपराध का मामला बनता है। इसमें दोराय नहीं कि मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए बढ़ती महंगाई के इस दौर में शहरों में घर खरीदने के वास्ते रकम जुटाना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में बैंकों से कर्ज लेना ही एकमात्र विकल्प होता है। मगर इन्हीं बैंकों के कर्मी अगर भवन निर्माताओं के साथ साठगांठ कर घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी करने लगें, तो कर्ज की यह सुविधा ही मुश्किल में डाल देती है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस वर्ष जुलाई में दिल्ली-एनसीआर में घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी करने के आरोपों से जुड़े मामलों में बैंकों और भवन निर्माताओं के बीच साठगांठ की गहन जांच के लिए सीबीआइ को बाईस मामले दर्ज करने की अनुमति दी थी। ये मामले एनसीआर में कार्यरत भवन निर्माताओं और उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा के विकास प्राधिकरणों से संबंधित हैं। इसके साथ ही न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर के बाहर की आवास परियोजनाओं की प्रारंभिक जांच करने के लिए सीबीआइ को छह सप्ताह का समय दिया था। दरअसल, शहरों में घर खरीदने वालों के लिए बैंकों ने ब्याज अनुदान योजना शुरू की है। इसके तहत बैंक स्वीकृत राशि सीधे भवन निर्माता के खातों में जमा करते हैं, जिन्हें तब तक स्वीकृत ऋण राशि पर किस्त का भुगतान करना होता है, जब तक कि आवास खरीदारों को नहीं सौंप दिए जाते। सर्वोच्च न्यायालय ऐसे 1,200 से अधिक घर खरीदारों की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिन्होंने एनसीआर, विशेष रूप से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में विभिन्न आवास परियोजनाओं में ब्याज अनुदान योजनाओं के तहत आवास बुक किए थे। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि आवास का कब्जा अभी तक नहीं मिला है और बैंक उन्हें कर्ज की किस्तों का भुगतान करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। ऐसे में सवाल है कि बैंक नियमों के विपरीत घर खरीदारों पर दबाव क्यों बना रहे हैं? साफ है कि बैंकों का यह रवैया आपसी मिलीभगत की ओर इशारा करता है और यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने इन मामलों में कडा संज्ञान लिया है।

स्मृति ह्रास की वैश्विक चुनौती

आज दुनिया में पाँच करोड़ से अधिक लोग डिमेंशिया से पीड़ित हैं और इनमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी अल्ज़ाइमर रोगियों की है। अल्जाइमर दिमाग की एक बीमारी है जिसमें इंसान धीरे-धीरे बातों को भूलने लगता है। शुरुआत में छोटी-छोटी बातें भूलती हैं जैसे किसी का नाम, चीज कहां रखी थी या हाल की घटना। लेकिन समय के साथ यह भूलना इतना बढ़ जाता है कि व्यक्ति को अपने परिवार के लोग, जगह या रोज के काम भी याद नहीं रहते। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि 2050 तक यह संख्या तीन गुना तक पहुँच सकती है। हर तीन सेकंड में दुनिया के किसी न किसी कोने में एक नया डिमेंशिया रोगी जुड़ जाता है। दुनिया में, 2025 तक 55 मिलियन (5.5 करोड़) से अधिक लोग मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से पीड़ित हैं, और 2050 तक यह संख्या बढ़कर 139 मिलियन (13.9 करोड़) तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें अल्जाइमर रोग इसका सबसे आम रूप है। भारत में, 2023 के एक अध्ययन के अनुसार 9 मिलियन (90 लाख) से अधिक बुजुर्ग मनोभ्रंश से जूझ रहे हैं,

(ललित गर्ग)

अल्ज़ाइमर का सीधा संबंध मस्तिष्क की कोशिकाओं से है। यह एक प्रगतिशील रोग है जिसमें मस्तिष्क की कोशिकाएँ धीरे-धीरे नष्ट होने लगती हैं। उम्र बढ़ने के साथ इसका खतरा अधिक हो जाता है, लेकिन केवल यही कारण नहीं है।

मस्तिष्क और स्मृति की उपेक्षा से बढ़ रहा स्मृति लोप का रोग दुनिया की एक बड़ी गंभीर समस्या हैं। याददाश्त हर उम्र के व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी पूंजी है। तेज़-तर्रार और तनावग्रस्त जीवन ने शरीर और आत्मा दोनों को उपेक्षित कर दिया है। अल्ज़ाइमर की चुनौती हमें याद दिलाती है कि स्वस्थ मस्तिष्क ही स्वस्थ जीवन और स्वस्थ समाज का आधार है। मनुष्य अपनी स्मृति से ही मनुष्य है; जब यादें खोने लगती हैं तो पहचान भी धुंधला जाती है। स्मृति का ह्रास केवल व्यक्ति की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी अस्तित्वगत पहचान के मिट जाने की त्रासदी है। इस बढ़ते रोग की भयानकता के कारण ही 21 सितम्बर को पूरी दुनिया विश्व अल्ज़ाइमर दिवस मनाती है। यह केवल एक स्वास्थ्य-समस्या की याद नहीं दिलाता, बल्कि यह चेतावनी भी है कि आधुनिक जीवनशैली, मानसिक दबाव और बदलते सामाजिक ढाँचे ने हमारे मस्तिष्क को असमय थका दिया है।

आज दुनिया में पाँच करोड़ से अधिक लोग डिमेंशिया से पीड़ित हैं और इनमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी अल्ज़ाइमर रोगियों की है। अल्जाइमर दिमाग की एक बीमारी है जिसमें इंसान धीरे-धीरे बातों को भूलने लगता है। शुरुआत में छोटी-छोटी बातें भूलती हैं जैसे किसी का नाम, चीज कहां रखी थी या हाल की घटना। लेकिन समय के साथ यह भूलना इतना बढ़ जाता है कि व्यक्ति को अपने परिवार के लोग, जगह या रोज के काम भी याद नहीं रहते। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि 2050 तक यह संख्या तीन गुना तक पहुँच सकती है। हर तीन सेकंड में दुनिया के किसी न किसी कोने में एक नया डिमेंशिया रोगी जुड़ जाता है। दुनिया में, 2025 तक 55 मिलियन (5.5 करोड़) से अधिक लोग मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से पीड़ित हैं, और 2050 तक यह संख्या बढ़कर 139 मिलियन (13.9 करोड़) तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें अल्जाइमर रोग इसका सबसे आम रूप है। भारत में, 2023 के एक अध्ययन के अनुसार 9 मिलियन (90 लाख) से अधिक बुजुर्ग मनोभ्रंश से जूझ रहे हैं, और यह संख्या 2036 तक बढ़कर लगभग 17 मिलियन (1.7 करोड़) हो जाने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार, यह समस्या महिलाओं को अधिक होती है। एम्स और निम्हैंस जैसी संस्थाएं इसकी शुरूआती पहचान और रिसर्च पर काम कर रही है। बुजुर्गों के साथ-साथ युवाओं में इस रोग का बढ़ना ज्यादा चिन्ताजनक है।

अल्जाइमर के बढ़ने के कारणों में मुख्य रूप से बढ़ती उम्र, आनुवंशिकी (कुछ जीन) और मस्तिष्क में असामान्य प्रोटीन जमाव शामिल हैं। इसके अलावा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा और धूम्रपान जैसे जीवनशैली संबंधी कारक, और हृदय संबंधी समस्याएँ भी अल्जाइमर के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। शोध बताते हैं कि लगातार मोबाइल इस्तेमाल करने वालों में 35 प्रतिशत तक याददाश्त

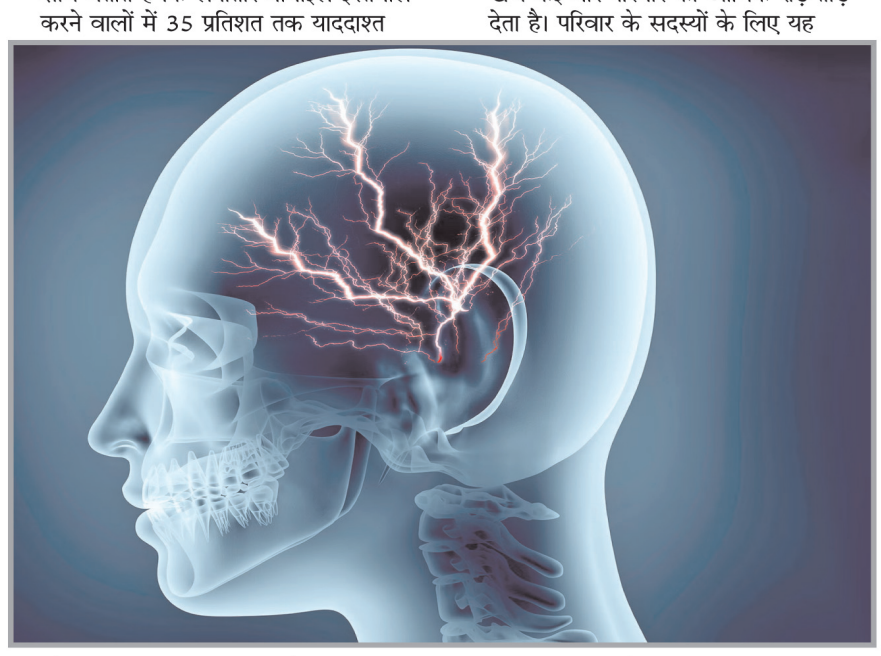

और एकाग्रता कम हो सकती है। लंदन यूनिवर्सिटी ने पाया कि मोबाइल पास होने मात्र से 10 प्रतिशत तक स्मृति घट जाती है। आईएएमएआई की रिपोर्ट बताती है कि भारत में 60 करोड़ स्मार्ट फोन इस्तेमाल करने वाले हर रोज औसतन 4.9 घंटे मोबाइल पर रहते हैं। एम्स के मुताबिक, युवाओं में डिजिटल डिमेंशिया जैसे लक्षण बढ़ रहे हैं। इस रोग की सबसे भयावह सच्चाई यह है कि यह केवल रोगी को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करता है। स्मृति का खो जाना, निर्णय लेने की क्षमता का क्षीण हो जाना, बार-बार वही प्रश्न पूछना, भाषा और व्यवहार में असामान्यता आना और अंततः अपनी पहचान तक खो बैठना-यह सब न केवल रोगी बल्कि उसके आसपास के लोगों के लिए भी असहनीय स्थिति बन जाती है।

अल्ज़ाइमर का सीधा संबंध मस्तिष्क की कोशिकाओं से है। यह एक प्रगतिशील रोग है जिसमें मस्तिष्क की कोशिकाएँ धीरे-धीरे नष्ट होने लगती हैं। उम्र बढ़ने के साथ इसका खतरा अधिक हो जाता है, लेकिन केवल यही कारण नहीं है। असंतुलित जीवनशैली, तनाव, नींद की कमी, मानसिक निष्क्रियता, नशे की आदतें और अस्वास्थ्यकर आहार भी इसके बड़े कारण हैं। धीरे-धीरे मनुष्य की सोचने-समझने की शक्ति कम होने लगती है और उसका व्यक्तित्व बदल जाता है। यह रोग न केवल चिकित्सा की दृष्टि से, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी गहरी चुनौती है। रोगी की देखभाल पर आने वाला खर्च कई बार परिवार की आर्थिक रीढ़ तोड़ देता है। परिवार के सदस्यों के लिए यह लगातार तनाव और थकान का कारण बनता है। कई बार यह रोग परिवारों में दूरी और टूटन का भी कारण बन जाता है। एक ओर बढ़ती वृद्धावस्था, दूसरी ओर उपेक्षा और अकेलेपन का संकट-ये सभी मिलकर स्थिति को और भी विकट बना देते हैं।

अल्जाइमर दिमाग से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसमें दिमाग की कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं। इससे याददाश्त बुरी तरह प्रभावित होती है। व्यक्ति के व्यवहार और जीवन पर असर पड़ने लगता है। वह धीरे-धीरे सब कुछ भूल जाता है। प्रारंभिक चरण में स्मृति हल्की, लेकिन ध्यान देने योग्य होती है। लोग हाल ही में घटित घटनाओं या परिचित नामों को भूल सकते हैं। मध्यम अवस्था में संज्ञानात्मक गिरावट अधिक सपष्ट हो जाती है। रोगी को समस्या-समाधान करने, बोलने या नियमित काम करने में समस्या हो सकती है। निगलने में कठिनाई और फेफड़ों में संक्रमण जैसी जटिलताएं सामने आती हैं। उन्नत अवस्था में रोगी बात करने में असमर्थ हो सकते हैं। उन्हें हर समय देखभाल करने की जरूरत हो सकती है। वे खाने व चलने जैसे बुनियादी काम नहीं कर पाते। वे बार-बार गिर सकते हैं, जिसमें उन्हें चोट लग सकती है।

दुर्भाग्य यह है कि अल्ज़ाइमर का आज तक कोई पूर्ण उपचार उपलब्ध नहीं है। अमेरिका में हाल में कुछ दवाओं को शुरूआती स्तर पर अल्जाइमर की प्रगति धीमी करने के लिए मंजूरी मिली है। ये दवाएं दिमाग में एमीलॉइड प्लेक्स कम करने पर काम करती हैं, जिन्हें समस्या का मुख्य कारण माना जाता है। संभावना है जल्दी ही देश में भी ये दवाएं मिलने लगेंगी। दवाइयाँ केवल इसकी गति को कुछ समय के लिए धीमा कर सकती हैं। ऐसे में रोकथाम के लिये संकल्प, प्राकृतिक उपचार, मनोबल ही सबसे बड़ी दवा है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, योग और ध्यान जैसे अभ्यास, मानसिक सक्रियता बनाए रखना, नई-नई चीजें सीखना, किताबें पढ़ना और सामाजिक जुड़ाव बनाए रखना-ये सब मस्तिष्क को सक्रिय और स्वस्थ बनाए रखने के महत्वपूर्ण साधन हैं। जीवनशैली में थोड़े-से परिवर्तन अपनाकर इस रोग को देर तक टाला जा सकता है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अल्ज़ाइमर से पीड़ित लोगों को सबसे अधिक आवश्यकता हमारी करुणा और सहानुभूति की होती है। यह केवल चिकित्सा की नहीं, बल्कि संवेदना की भी चुनौती है। हमें रोगियों को बोझ न समझकर उनके आत्मसम्मान को बनाए रखना चाहिए। उनके प्रति धैर्य, प्रेम और संवेदनशीलता का व्यवहार ही उन्हें कुछ हद तक संबल दे सकता है। इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और रोगियों में कलंक एवं हीनता के भाव को कम करने के लिए ही विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया जाता है। विश्व अल्ज़ाइमर दिवस की थीम हर साल बदलती है ताकि डिमेंशिया देखभाल और जागरूकता के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। 2025 की थीम है 'डिमेंशिया के बारे में पूछें, अल्ज़ाइमर के बारे में पूछें', जिसका उद्देश्य अल्ज़ाइमर रोग और डिमेंशिया के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना, खुले संवाद को प्रोत्साहित करना और समय पर निदान को बढ़ावा देना है। ये थीम दुनिया भर में जागरूकता अभियानों का मार्गदर्शन करती हैं, तथा हमें याद दिलाती हैं कि अल्जाइमर केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चुनौती भी है, जिसके लिए करुणा, चिकित्सा सहायता और मजबूत नीतियों की आवश्यकता है, जो इस रोग के बारे में बेहतर समझ और रोगियों को मजबूत इच्छाशक्ति बनाने में मदद कर सकती है।

मधुमेह की उलझती पहेली को मिलकर सुलझाएं विशेषज्ञ

(रिद्मा कौल)

दुनिया भर में मधुमेह (डायबिटीज) के एक नए रूप की काफी चर्चा हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) के कम वजन वाले लाखों नौजवान इस डायबिटीज के शिकार हैं और इसे 'टाइप 5' डायबिटीज की औपचारिक मान्यता दी जानी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मधुमेह महासंघ, यानी आईडीएफ ने इसी साल अप्रैल की विश्व मधुमेह कांग्रेस की 'वेल्लोर घोषणा' में इस नाम का प्रस्ताव पारित किया था और अब द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ में इसे प्रकाशित किया गया है। इससे पहले तमिलनाडु के वेल्लोर में जनवरी में हुई एक बैठक में आम सहमति से इस नाम को स्वीकार किया गया था।

डायबिटीज की बीमारी कई तरह की होती है। सबसे चर्चित टाइप1 (स्व-प्रतिरक्षी, इंसुलिन-निर्भर) और टाइप2 (वजन-

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सन् 1985 में इसे 'कुपोषण-जनित मधुमेह' के रूप में वर्गीकृत किया था, मगर 1999 में इसे मधुमेह की सूची से हटा दिया गया, क्योंकि इस बात पर सहमति नहीं थी कि इस मधुमेह के लिए कुपोषण मुख्य वजह है। हालांकि, लैंसेट में प्रकाशित लेख में कहा गया है कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से दशकों के शोध के बाद अब पता चला है कि इन रोगियों में टाइप1 और टाइप2 से अलग लक्षण होते हैं।

संबंधी) हैं। इनके अलावा, टाइप3 मधुमेह तब होता है, जब मस्तिष्क में न्यूरॉन्स इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करते, जबकि टाइप3सी में अग्न्याशय की इंसुलिन उत्पादन क्षमता प्रभावित होती है। इसी तरह, टाइप4 में बुजुर्गों, दुबले-पतले वयस्कों में आयु के कारण इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। लैंसेट के लेखकों का कहना है, 'हम मधुमेह पर काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस विशिष्ट बीमारी को 'टाइप5' के रूप में मान्यता देने का आह्वान करते हैं।' इन लेखकों का कहना है कि निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या में काफी वृद्धि होने की आशंका है, क्योंकि ये देश कुपोषण व अति-पोषण की दोहरी मार झेल रहे हैं। लैंसेट के अनुसार, टाइप5 मधुमेह की पहचान 1955 में हुई थी, जो कम वजन वालों व बचपन में कुपोषित रहे लोगों में देखी जा रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सन् 1985 में इसे 'कुपोषण-जनित मधुमेह' के रूप में वर्गीकृत किया था, मगर 1999 में इसे मधुमेह की सूची से हटा दिया गया, क्योंकि इस बात पर सहमति नहीं थी कि इस मधुमेह के लिए कुपोषण मुख्य वजह है।

जितना स्वस्थ होगा पर्यावरण, उतना बेहतर होगा स्वास्थ्य

**हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है। पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। 2025 के विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस का विषय है 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ लोग', जो स्वच्छ वायु और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधे संबंध पर जोर देता है। प्रदूषकों से मुक्त वायु श्वसन संबंधी बीमारियों को सीमित करने और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2024 में यह दिवस 'पर्यावरणीय स्वास्थ्य- आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन तथा अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण' थीम के साथ मनाया गया था जबकि 2023 की थीम थी 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्य- हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया गया था और 2022 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है।

(योगेश कुमार गोयल)

बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं।

हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा

बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं।

ऑल इण्डिया किसान खेत मजदूर संगठन ने किसानों की ज्वलंत समस्याओं की समाधान पर पखांजुर में धरना, किया रैली प्रदर्शन

पखांजुर। किसानों की धान की बालिओं में चावल न आना धान बदरा बनने से नुकसान की मुआवजे का मांग पर अनुविभागीय अधिकारी रा.कृषि विकास अधिकारी कोयलीबेड़ा के हाथों ऑल इण्डिया किसान खेत मजदूर संगठन ने ज्ञापन सौंपा। बतादें कि प्रशांत साहा, तापस बैरागी, हिमेन हालहार, अभिजीत साहा, महेश हलदार, सुरूरण मंडल, पंकज मिस्त्री, रतन हलदार, समर साहा, मृत्युंजय बाईन, रंजीत विश्वास, गोपाल साहा, भास्कर सरदार, दिपक दास, रवि गोलदार, विपुल बोस, अजय मंडल, अशोक दास, जयन्त डाकुआ, सुरज पाईन अरविन्दु मंडल, भुषान मंडल जीतेन मंडल, विपुल राय, सहदेव सरकार, जहर सरकार, कालू सिखदार प्रदीप साहा, बिप्लब बैरागी, कनाई पाईन विपुल सिकदार, नारायण दास, सपन सरकार बरेन घोष, प्रदीप मंडल, अनिल वैरागी, अनिमेष विश्वास, मनोज सिकदार, अजय कर आदि पीड़ित किसानों के साथ आम किसान संगठन पदाधिकारी द्वारा नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में धरना दिया और पखांजुर शहर में रैली निकाले, जिसमें किसानों की धान की बाली में चावल की परिपक्वता के समय से बाली सूख रहे है, उसे सुरक्षा की गारंटी करें। जिन धान की किस्मों में यह गंभीर समस्या उत्पन्न हुआ है। उस बीज कम्पनी और बीज दुकानदारो के खिलाफ उचित कार्यवाही करें। धान की बाली सुख जा रहे निम्न कम्पनी की बीजों वीएनआर शीड 2233 आदि धान बीज जिन खेतों में लगाया है, उन खेतों की फसलें और खेतों की सर्व किया जाए। उससे किसानों की क्षति का आकलन कर क्षतिग्रस्त किसानों को समुचित मुआवजा दिया जाए। पीड़ित किसानों ने कहां है की फसल उत्पादन में गुणवताहीन धान बीज, खाद और असामाजिक तत्वों द्वारा खाद की आवश्यकता के समय खाद की कमी के बहाने अतिरिक्त किम्मत पर खाद बिक्री करते है और शर्तों के आधार पर खाद बेचने का अघोषित दमनात्मक नियम बना लेते है, जिस कारण किसानों को मजबूरी में हजारों, लाखो रुपय खर्च पश्चात भी लहलहाती धान की फसलों में चावल परिपक्व नहीं होना बाली सुख जाना। धान की पौधा वर्तमान में हरा है। समस्याओं पर हजारों रुपए खर्च कर चुके है। परंतु धान की बाली दिन व दिन सुख जा रहे है। धान में चावल आने के बदले धान बदरा बन जा रहे है। जिससे किसानों को बहुत अधिक आर्थिक नुकसान की आशंका की सदमे से ग्रसित हो रहे है। आने वाले दिनो की गुजर वसर दैनन्दिनी आर्थिक सहयोग की नुकसान से चिंतित है। धान उत्पादन की मात्रा सही नहीं होने से पीड़ित किसान बैंक लोन, महाजन, समितियो की कर्ज, व्यापारियो की उधारी चुका नहीं पायेंगे। किसानों के हाथो खेती किसानी के अलवा आर्थिक उपार्जन की अन्य सहारा भी नहीं है। प्राकृतिक दुर्योग, व्यापारियों की तमाम अघोषित गैरकानूनी नियम के कारण अतिरिक्त किम्मत में बीज, खाद, किटनाशक आदि खरीदने हेतु किसानों को बैंक लोन, महाजन, समिति कर्ज लेकर अथक मेहनत खून को पसीने बहाकर फसल उत्पादन करने के पश्चात क्षेत्रों की हजारों कृषकों से कोचिया व्यापारियों द्वारा मक्का खरीदी कर किसानों को भुगतान नहीं किया।

शासन-प्रशासन के हस्तक्षेप पश्चात किसानों की लगभग 8 कड़ोर रुपये में से 1 करोड़ रुपये की भुगतान किया है। वर्तमान दिवस तक किसानों की लगभग 7 करोड़ रुपये बकया है। पीड़ित किसानों परिवार असहनीय पीड़ा, कर्ज की बोझ तले दबे खुचले घुंट-घुंट कर मर-मर कर जीने मजबूर है। समस्त बिजली उपभोक्ताओं पर बिजली बिल-2023 व स्मार्ट मीटर स्कीम जीवन और समाज पर कम्पनियों की एकपक्षीय प्रभाव से तबाही ला देंगे। वर्तमान समय समस्त घरों में डिजिटल बिजली मीटर लगा हुआं है। बिजली खपत पश्चात उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिलों कि रिडिंग भी सही और नियमित बिजली बिल की भुगतान कर रहे हैं। अत्यधानिक यूग की वर्तमान समय बिजली जीवन की हर पहलू समाज के साथ अटूट बंदन है। बिजली अति आवश्यक सेवा के बदले व्यापार की बाजारु सामान में तबदील होगी। तब बिजली भी चंद कम्पनियों की कन्ट्रोल से बिजली दरो में अत्यधिक बृद्धि होंगे जिस कारण साधारण गरीब बिजली से बंचित होंगे। खेती किसानी, कार्यालय, छोटे, मझौले से लेकर साधारण दुकानदार, प्रभावित होंगे और समाज एक गहरी अंधकार में समा जायेंगे। धान की बाली सुखने की मुख्य कारण, उनके निदान युद्धस्तर पर सर्वे टीम गठन कर किसानों को सुरक्षित पसल उत्पादन करने की गारंटी करें और जिन खेतो की फसलें की क्षतिग्रस्त हुआ है। संगठन ने उन किसानों को क्षतिग्रस्त फसलों का उचित मुआवजा की मांग की है।

किरंदुल एनएमडीसी अधिशासी निदेशक ने जागरूकता मार्च को दिखाई हरी झंडी

किरंदुल। एनएमडीसी लिमिटेड मुख्यालय, हैदराबाद से प्राप्त निदेशों के अनुसार किरंदुल परियोजना में स्वच्छता ही सेवा-2025 पखवाड़ा का आयोजन रवीन्द्र नारायण अधिशासी निदेशक के कुशल निर्देशन एवं केएल नागवेणी उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के मार्गदर्शन किया जा रहा हैं। इसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों जैसे स्वच्छता रैली, कॉलोनी, बाजार क्षेत्र एवं प्रशासनिक भवन के आसपास क्षेत्र की सफाई, कर्मचारियों के लिए स्वच्छता जागरूकता प्रतियोगिताएं आदि का आयोजन भी किया जा रहा हैं।इसी कड़ी में परियोजना विद्यालय से मुख्य अतिथि रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक के कुशल निर्देशन में स्वच्छता जागरूकता मार्च को हरी झंडी दिखाई स्वच्छता ही सेवा है में उपस्थित सभी ने चौक चौराहों की साफ सफाई की गई।

कार्यक्रम के दौरान केपी सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन), एमसुब्रमण्यन महाप्रबंधक (विद्युत) संयंत्र, एस.के.कोचर महाप्रबंधक (खनन), देवरायलू, अध्यक्ष, एसकेएमएस, ए.के.सिंह, सचिव, एमएमडब्ल्यू यूनियन, एस.गुहा, उप महाप्रबंधक (वित्त), (वित्त), मो.तनवीर जावेद, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), बी.एल.तारम, अध्यक्ष, एनएससीएसटी कर्म.कल्याण समिति, सुनील कुमार, उप महाप्रबंधक (प्रशि.व सुरक्षा), विभागाध्यक्षों एवं सीआईएसएफ के जवान भारी संख्या में उपस्थित थे।

किरंदुल परियोजना में चलाया जा रहा हैं स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान

किरंदुल। किरंदुल कॉम्प्लेक्स के एनएमडीसी लिमिटेड मुख्यालय, हैदराबाद और भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से प्राप्त निदेशों के अनुसार किरंदुल परियोजना में रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक के कुशल निर्देशन एवं के एल नागवेणी उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के मार्गदर्शन से परियोजना में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक चलाया जा रहा हैं। इसके अंतर्गत विभिन्न स्वास्थ्य जाँच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत ही ग्रेस फाउंडेशन, हैदराबाद द्वारा कैंसर जांच हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया हैं। यह शिविर परियोजना के प्रशासनिक भवन, चोलनार पंचायत, कोड़ेनार पंचायत, कड़मपाल पंचायत, परियोजना चिकित्सालय, बैला क्लब, किरंदुल एवं स्थानीय फुटबॉल ग्राउंड जैसे विभिन्न क्षेत्रान्तर्गत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पत्नियां, 25 वर्ष अथवा इससे अधिक आयु की महिलाओं एवं नगर-ग्रामीण महिलाओं के लिए आयोजित किया गया है जिसमें 313 लोगों की जाँच हुई। शिविर में उपलब्ध डॉक्टर्स, नर्स एवं पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा मरीजों की निःशुल्क जाँच व एक्स-रे किए जा रहे है तथा जांच उपरान्त कैंसर जैसे बीमारियों के इलाज की सलाह दी जा रही हैं। कैंसर जाँच शिविर के दौरान परियोजना के मानव संसाधन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी का अमूल्य सहयोग कर रहे हैं।

किरंदुल एनएमडीसी परियोजना में राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह का किया गया आयोजन

किरंदुल। किरंदुल एनएमडीसी परियोजना में 14 सितंबर से 29 सितंबर तक राजभाषा पखवाड़ा आयोजित किया गया।

संजय पाटील सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी परियोजना में भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं एनएमडीसी मुख्यालय के दिशा-निर्देश के अनुरूप राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया। इस वर्ष 14 सितम्बर को हिंदी दिवस पर अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन गांधीनगर (गुजरात) में हुआ।मुख्य अतिथि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी भाषा में इन दिनों बहुत कार्य किया जा रहा हैं। मंत्रालय, स्वयंसेवी संगठनों और केंद्रीय सरकारी कार्यालयों/ उपक्रमों में हिंदी का कार्य और बढ़ रहा है। कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एनएमडीसी लिमिटेड को ग क्षेत्र में राजभाषा कार्यान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कार राजभाषा कीर्ति से सम्मानित किया। हमारी परियोजना में दिनांक 14 से 29 सितंबर, 2025 के बीच राजभाषा पखवाड़े के दौरान हिंदी कार्यों को और अधिक करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन जैसे कि हिंदी टंकण, क्विज, हिंदी निबंध, हिंदी नारा (स्लोगन) लेखन, सामान्य ज्ञान इत्यादि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने राजभाषा पत्रिका सर्जना का विमोचन किया। मुख्य अतिथि ने राजभाषा हिंदी पर अपने विचार व्यक्त किए और हिंदी के प्रसार-प्रसार पर बल देने की अपील की। स्वागत भाषण मोहम्मद तनवीर जावेद, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने कहा कि परियोजना में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में किया जा रहा है और राज्य सरकार, जिला प्रशासन को पत्राचार हिंदी में ही किया जाता है।

बैलाडीला देवस्थान राघव मंदिर में महाष्टमी के पावन अवसर पर हवन-पूजन एवं कन्याभोज का किया गया आयोजन

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल के हृदय स्थल पर अवस्थित नगरपरिवार की भक्ति एवं आराधना का प्रमुख केंद्र बैलाडीला देवस्थान श्री राघव मंदिर में श्री दुर्गा महाष्टमी के पावन अवसर पर बैलाडीला देवस्थान समिति एवं गायत्री परिवार के तत्वाधान में हवन, पूजन, महाआरती, नवकन्या भोज का आयोजन किया गया। इस सुअवसर पर एनएमडीसी लिमिटेड किरंदुल कॉम्पलेक्स के अधिशाषी निदेशक रबिन्द्र नारायण की सपत्नीक गरिमामयी उपस्थिति रही। बैलाडीला देवस्थान समिति श्री राघव मंदिर के कोषाध्यक्ष राजेंद्र यादव, पी.सी. जैन, गायत्री परिवार के डी.पी. डेहरिया, मोहित देशमुख, पुष्पा सिंह उपस्थित थे। श्री राघव मंदिर के प्रधान पुजारी सत्येंद्र प्रसाद शुक्ल द्वारा जानकारी दी गई कि नवरात्रि के अष्टम दिवस माता के आठवें स्वरूप महागौरी जी की आराधना की जाती है। मां दुर्गा का ये स्वरूप एकदम श्वेत हैं। ऐसा कहा जाता है कि देवी को वर्षों कठोर तपस्या करने के बाद गौर वर्ण की प्राप्ति हुई थी। देवी ने सफेद रंग के वस्त्र धारण किए हुए हैं। माता की सवारी वृषभ यानी बैल है। मां की चार भुजाएं हैं। धार्मिक मान्यताओं अनुसार माता महागौरी के अवतरित होने के समय देवी की आयु 8 वर्ष थी। कल नवमी तिथि की संध्या ज्योति कलश विसर्जन किया जायेगा।

बस्तर ओलंपिक हेतु अधिक से अधिक पंजीयन कराने के दिए गए निर्देश

दंतेवाड़ा। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय सीमा बैठक का आयोजन कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में कलेक्टर ने सर्वप्रथम प्रस्तावित बस्तर ओलंपिक आयोजन हेतु संबंधित विभागों से अधिक संख्या में पंजीयन कराने का निर्देश देते हुए कहा कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जायेगा। प्रतियोगिता का आयोजन विकासखंड स्तर से लेकर जिला और संभाग स्तर तक होगा। इसमें अन्य प्रतिभागियों के के साथ-साथ नक्सल हिंसा में दिव्यांग हुए प्रतिभागियों और आत्मसमर्पित युवाओं के लिए भी विशेष प्रतियोगिताएं संभाग स्तर पर आयोजित की जाएंगी। इस आयोजन का उद्देश्य केवल खेल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना तथा युवाओं को मुख्यधारा से अधिक से अधिक जोड़ना है। इसके लिए संबंधित विभाग अधिक से अधिक प्रतिभागियों का पंजीयन करके सक्रिय सहभागिता निभाएं। इसके साथ ही उन्होंने बैठक में अवगत कराया कि जिले में 02 से 14 अक्टूबर तक विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की जायेगी। इन सभाओं में राजस्व विभाग अमले द्वारा एग्रीटेक पोर्टल के तहत पंजीकृत ग्रामीणों की सूची का पठन भी कराया जाएगा। साथ ही इन विशेष ग्राम सभाओं में ग्राम विलेज एक्शन प्लान का ब्यौरा प्रस्तुत होगा। अतः इस संबंध में कलेक्टर द्वारा जनपद पंचायतों को व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु कहा गया। इसके अलावा कलेक्टर ने नगरीय निकाय क्षेत्रों में केन्द्र सरकार पोषित पीएम स्वनिधि योजना हेतु शहरी क्षेत्रों के स्ट्रीट वेंडरों, फुटपाथों में फैरी एवं रेहड़ी लगाने वाले विक्रेताओं को अधिक से अधिक पंजीयन एवं काउंसलिंग करने का निर्देश देते हुए कहा कि इसके लिए शहरी क्षेत्रों के स्ट्रीट वेडरों, की बैठक या कैंप का आयोजन कर उन्हें स्वनिधि योजना के लाभ लेने की प्रक्रिया से अवगत कराए ।

अल्टीमेटम बेअसर, 30 को जनपद पंचायत दुर्गूकोंदल में होगी तालाबंदी

भानुप्रतापपुर। जिला पंचायत सीईओ के आदेश के बावजूद इंजीनियर विनय कुमार देवांगन ने अब तक जनपद पंचायत दुर्गूकोंदल में ज्वाइन नहीं किया है, जिससे विकासखंड के सरपंचों में नाराजगी बढ़ गई है। नाराज सरपंचों ने घोषणा की है कि 30 सितम्बर 2025 को जनपद पंचायत दुर्गूकोंदल में तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। सरपंच संघ के सचिव मुकेश गावड़े, सरपंच कुबेर दर्रो, मुकेश नरेटी, तुलसी मातलाम, नंदकुमार खरे, शिवलाल ध्रुव, सोमनाथ नेताम, हरिषा मंडावी, रमशीला कोमरा, रमुला नरेटी ने बताया कि जनपद पंचायत में इंजीनियर के 3 पद स्वीकृत हैं, परंतु वर्तमान में केवल 1 इंजीनियर पदस्थ है। एक ही इंजीनियर के भरोसे 44 पंचायतों का कामकाज संचालित नहीं हो पा रहा है, जिससे निर्माण कार्यों के मूल्यांकन और स्वीकृति में देरी हो रही है। सरपंच संघ का कहना है कि भानुप्रतापपुर से इंजीनियर को दुर्गूकोंदल में पदस्थ करने का आदेश पहले ही जारी हो चुका है, लेकिन आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है। इससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। सरपंच संघ ने सीईओ जनपद पंचायत एवं तहसीलदार दुर्गूकोंदल को लिखित सूचना देकर तालाबंदी की जानकारी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि जल्द ही इंजीनियर को ज्वाइन नहीं कराया गया, तो आंदोलन और उग्र किया जायागा। ग्रामवासियों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि इंजीनियरों की कमी के कारण सड़क, पुल-पुलिया, हैंडपंप मरम्मत जैसे कई विकास कार्य रुके पड़े हैं। 30 सितम्बर को होने वाली तालाबंदी में बड़ी संख्या में सरपंच और ग्रामीणों के शामिल होने की संभावना है।

किरंदुल बंगाली कैम्प दुर्गा पंडाल में महाअष्टमी पूजा पर उमड़ी भक्तों की भीड़

किरंदुल। महाष्टमी पूजा के अवसर पर बंगाली कैंप दुर्गा पंडाल में व्रत रखकर श्रद्धालु ने मां दुर्गा की उपासना कर पूजा अर्चना की। पुष्पांजलि देने बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। जिसके बाद संधी पूजा प्रारंभ हुआ, जिसमें महिलाओ ने उपवास रखकर देवी शक्ति की विशेष पूजा अर्चना की। मंदिर के पुजारी मिलन चक्रवर्ती ने बताया नवरात्र में अष्टमी के दिन मां ने महिषासुर नामक असुर का वध किया था। इसलिए देवी शक्ति को याद करते हुए उनकी विशेष उपासना कर संधि पूजा की जाती है। इस दौरान देवी को 108 कमल के फूल की माला पहनाई गई। शाम को सरसों तेल व घी की दीप प्रज्वलित कर धूप धुनि से माँ की आरती की गई।

भारतीय जनता पार्टी की कार्यशाला : आत्मनिर्भर भारत और वस्तु एवं सेवा कर सुधार पर हुआ विमर्श

भानुप्रतापपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित विशेष कार्यशाला आत्मनिर्भर भारत और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार के विषय पर संपन्न हुई। इस कार्यशाला में जिले के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला की मुख्य वक्ता, भारतीय जनता पार्टी की जिला उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत कांकेर की उपाध्यक्ष तारा ठाकुर ने आत्मनिर्भर भारत के विचार को विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल एक आर्थिक अभियान नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के समग्र विकास का मंत्र है। जब हर गाँव अपनी आवश्यकताओं के लिए स्थानीय उत्पादन पर भरोसा करेगा, जब महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से घर-घर उत्पादन कर बाज़ार में प्रतिस्पर्धा करेंगी और जब युवा नवाचार तथा नए उद्योग के माध्यम से स्थानीय से वैश्विक स्तर तक पहुँचेंगे, तभी भारत सच्चे अर्थों में आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वदेशी अपनाओ का आह्वान हमें यह सिखाता है कि हमें विदेशी उत्पादों के बजाय अपने ही देश में बने सामान को प्राथमिकता देनी चाहिए। तारा ठाकुर ने यह भी कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान से गाँव-गाँव तक रोजगार और उद्योग की नई संभावनाएँ खुलेंगी, जिससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था मज़बूत होगी, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव भी और गहरी होगी। वस्तु एवं सेवा कर सुधार के विषय पर ठाकुर रत्नेश सिंह ने विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाल ही में संपन्न छप्पनवीं परिषद बैठक में अगली पीढ़ी वस्तु एवं सेवा कर सुधार (जी.एस.टी. 2.0) को गति दी गई है, जिसमें कर प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सरल और नागरिक हितैषी बनाने पर बल दिया गया है। उन्होंने बताया कि अब कर दरों को सीमित कर पाँच प्रतिशत और अठारह प्रतिशत दो प्रमुख श्रेणियों में रखा गया है, जबकि विलासिता की वस्तुओं और सेवाओं पर उपकर अट्ठाईस प्रतिशत तक रखा गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य उपकरणों, जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, शिक्षा सेवाओं जैसी अनेक सेवाओं पर कर दरें घटाई गई हैं। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि कार, टेलीविजन, ए.सी., वाशिंग मशीन जैसी वस्तुओं पर अब अट्ठाईस प्रतिशत की बजाय कम दरें लागू हुई हैं, जबकि टूथब्रश जैसी रोजमर्रा की चीजों पर केवल बारह प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर लागू है। मंडल अध्यक्ष डिगेश खापर्डे ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि वस्तु एवं सेवा कर सुधार और आत्मनिर्भर भारत एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने तैंतीस से अधिक चिकित्सा उपकरणों पर कर में कमी की है, जीवन रक्षक दवाओं पर बारह प्रतिशत से घटाकर शून्य प्रतिशत और इंसुलिन पर पाँच प्रतिशत से घटाकर शून्य प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह कृषि क्षेत्र की वस्तुएँ जैसे ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, कंबाइन मशीन पर कर बारह प्रतिशत से घटाकर पाँच प्रतिशत किया गया है। खाद्य सामग्री पर अठारह प्रतिशत से घटाकर पाँच प्रतिशत और शौचालय उपयोगी वस्तुओं पर भी बारह प्रतिशत से पाँच प्रतिशत तक कर में राहत दी गई है। ये सुधार सीधे जनता की जेब और जीवन को प्रभावित करेंगे और यही आत्मनिर्भर भारत की असली दिशा है। उन्होंने आगे कहा कि वस्तु एवं सेवा कर का ढाँचा अब और अधिक स्पष्ट हुआ है, राज्य वस्तु एवं सेवा कर (एस.जी.एस.टी.), केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सी.जी.एस.टी.) और एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आई.जी.एस.टी.) की व्यवस्था से राज्यों और केंद्र को समान राजस्व लाभ मिल रहा है। इससे व्यापारियों को पारदर्शिता और उपभोक्ताओं को राहत मिल रही है। खापर्डे ने यह भी बताया कि वर्ष 2024- 2025 में सरकार का कुल कर संग्रह बाईस लाख अस्सी हज़ार करोड़ रुपए तक पहुँच गया है, जिसमें से वस्तु एवं सेवा कर का योगदान नौ लाख सैंतालीस हज़ार करोड़ रुपए से अधिक है। कार्यशाला का संचालन मंडल महामंत्री राजीव श्रीवास ने किया और विषयों को क्रमबद्ध ढंग से प्रस्तुत किया। समापन अवसर पर मंडल महामंत्री गिरधारी नार्टी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ कार्यकर्ताओं को न केवल वैचारिक रूप से समृद्ध करती हैं बल्कि संगठन के एजेंडे को आम जनता तक पहुँचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस कार्यशाला में नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल सिंह राठौर, आत्मनिर्भर भारत जिला सह संयोजक अरविंद जैन, भाजयुमो जिलाध्यक्ष राजा पाण्डेय, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य महिला मोर्चा रजिंदर रंधावा, मंडल उपाध्यक्ष सरिता जोशी, एवं चैतूराम आचला, मंडल कोषाध्यक्ष जीवराखन सलाम, भानुप्रतापपुर मंडल मिडिया प्रभारी संतोष बाजपेयी, ललित गांधी, नरेश जैन, मंडल महामंत्री महिला मोर्चा संगीता टांडिया, उर्मिला जसूजा, शिला ठाकुर, नगर पंचायत उपाध्यक्ष गजानंद डड़सेना, लक्ष्मण कुलदीप, हरेश उईके आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केंद्रीय जेल के बंदियों को दी गई स्वरोजगार संबंधी जानकारी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर रजत महोत्सव के तहत विशेष कार्यक्रम के तौर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जगदलपुर द्वारा केन्द्रीय जेल जगदलपुर में सोमवार को बढ़ई, दर्जी, लोहारी, जूट बैग, मूर्तिकार, प्रिंटिंग प्रेस का कार्य सीख रहे बंदियों को भविष्य में स्वरोजगार के क्षेत्र में स्वयं का कुछ व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु विभाग द्वारा जमीनी स्तर पर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म, खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। क्षेत्रीय व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के मुख्य महाप्रबंधक अजीत सुंदर बिलुंग के द्वारा योजनाओं की जानकारी देने सहित भविष्य में आयमूलक गतिविधियों से जुड़कर समाज के विकास में चलने बंदियों को प्रेरित किया गया। इस दौरान केन्द्रीय जेल के अधिकारी-कर्मचारियों सहित उद्योग विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

गांधी जयंती पर जिले के 102 आदि कर्मयोगी ग्रामों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन

बिलासपुर। गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को जिले के सभी 102 आदि कर्मयोगी ग्रामों में एक साथ विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक आदि कर्मयोगी ग्राम में इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पाती का वाचन कर ग्राम विकास की शपथ दिलाई जाएगी। ग्रामसभाओं में ग्रामीण सेवा, संकल्प और समर्पण की भावना के साथ ग्राम के सर्वांगीण विकास, स्वच्छता, नशामुक्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया जाएगा। महात्मा गांधी की स्वच्छ और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने विशेष रूप से स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने की प्रतिज्ञा ली जाएगी व ग्राम वासियो,आदि साथियों, आदि सहयोगियों को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पाती का वाचन कराकर ग्राम विकास की शपथ दिलाई जाएगी। इस अवसर पर आदि कर्मयोगी अभियान के उद्देश्यों और गांधी जी के विचारों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन के तहत साफ-सफाई अभियान भी चलाया जाएगा।विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं विभाग प्रमुख, जनप्रतिनिधि ग्रामसभाओं में शामिल होंगे।

400 लोगों को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस कार्य म में स्वीप अंतर्गत दिलाया गया मतदाता जागरूकता शपथ

सूरजपुर संवाददाता । आज साधुराम सेवाकुंज सूरजपुर में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के निर्देश व स्वीप नोडल श्री विजेंद्र पाटले के मार्गदर्शन में कार्यक्रम में उपस्थित लगभग 400 लोगों को स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता जागरूकता शपथ दिलाया गया, जिसमें मतदाता जागरूकता को लेकर सहभागिता पर विशेष बल दिया गया। इसके साथ ही उपस्थित जनों को एक-एक वोट के महत्व के बारे में अवगत करवाया गया। इस अवसर पर वृद्धजन, जिले के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधिगण व जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पीएम सूर्यघर योजना पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

कोरबा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सभी के लिए ऊर्जा के संकल्प को साकार करने तथा हर घर को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) द्वारा सेवा पखवाड़ा अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन अग्रसेन भवन, कटघोरा में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कटघोरा विधायक श्री प्रेम चंद पटेल ने कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना देश की आम जनता को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। यह योजना न केवल घरों को रोशन कर रही है बल्कि आम उपभोक्ताओं को ऊर्जा उत्पादक में बदलकर आर्थिक रूप से भी सशक्त बना रही है। उन्होंने विस्तार से योजना के उद्देश्यों और लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को नि:शुल्क बिजली उपलब्ध कराने का संकल्प लिया गया है। इस योजना से ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही क्षेत्रों के लोग लाभान्वित होंगे। प्रत्येक घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर घरेलू बिजली की आवश्यकता पूरी की जा सकती है, साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की ओर से सब्सिडी भी प्रदान की जाएगी। पटेल ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है। यह योजना हरित ऊर्जा को बढ़ावा देती है और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह योजना भारत को हरित ऊर्जा महाशक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे न केवल ऊर्जा का समाधान होगा बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से आम परिवारों का बिजली खर्च घटेगा ।

स्वास्थ्य परीक्षण कर दी गई नि:शुल्क दवाइयां

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर 500 से ज्यादा वरिष्ठ नागरिकों का किया सम्मान

■ पांच लाख तक मुफ्त इलाज सुविधा के लिए बनाए गए पीएम वयवंदन कार्ड

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष एवं सेवा पखवाड़ा अंतर्गत 1 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन स्थान पं. देवकीनंदन दीक्षित सभागृह, लाल बहादुर शाला परिसर, बिलासपुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमर अग्रवाल विधायक बिलासपुर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने की। वृद्धजन दिवस के इस मौके पर अतिथियों ने 500 से ज्यादा बुजुर्गों का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया और उनसे आशीर्वाद लिया। समारोह के मुख्य अतिथि अमर अग्रवाल ने उद्बोधन में कहा कि मैं वरिष्ठ नागरिकों के लिए हमेशा समर्पित रहता हूँ और आशा करता हूँ कि हमारे युवा हमेशा इनका सम्मान करें दुर्गा नवमी के उपलक्ष्य में आज इनका सम्मान करके मैं अपने आप को भाग्यशाली मानता हूँ। कार्यक्रम के अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि माता-पिता को अपने घर में जो सम्मान देते हैं, वही सम्मान हमें सभी बुजुर्गों को देना चाहिए और हमारे युवाओं को इन बुजुर्गों से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर कलेक्टर संजय अग्रवाल जी ने भी वरिष्ठजनों का श्रीफल, फूलमाला, शाल से उनके यथास्थान पर पहुंचकर सम्मान किया। कार्यक्रम में सबसे पहले वरिष्ठजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आयुष विभाग द्वारा 300 से भी अधिक वरिष्ठजनों का परीक्षण कर नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गई। सियान जतन क्लिनीक से होम्योपैथिक उपयोगिता एवं परीक्षण कर चिकित्सक द्वारा दवाईयाँ दी गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुगर, बी.पी. जांच के साथ-साथ 70 वर्ष से अधिक वरिष्ठजनों का वयवंदन आयुष्मान कार्ड बनाया गया।

स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत नगर निगम बिलासपुर द्वारा मोबाईल चलित मेडिकल यूनिट के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले वरिष्ठजनों की जांच की जाकर दवाईयाँ वितरित की गई। कार्यक्रम में श्रीमती रिची जैन सिविल जज विधिक सेवा प्राधिकरण ने माता-पिता भरण-पोषण नियम 2007 के संबंध में वरिष्ठ नागरिकों को जानकारी दी। समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक टी.पी.भावे ने स्वागत भाषण में वरिष्ठजनों के लिए संचालित अधिनियम एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय से राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं द्वारा वरिष्ठजनों द्वारा आवश्यक व्यवस्था बनाई गई। इस अवसर पर जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती शुभा गरेवाल, आयुष अधिकारी श्री यशपाल सिंह ध्रुव, डॉ. श्रुति थवाईत, डॉ. पूजा पाटले, श्रीमती बबीता कमलेश, डॉ. बालेन्द्र त्रिपाठी, डॉ. रक्षित जोगी, डॉ. नेहा द्विवेदी, श्रीमती रेणुका पिंगले, श्रीमती सरस्वती रामेश्री, सरस्वती जायसवाल, राजकुमारी सोनी, श्री उत्तम राव, श्री संजय खुराना, श्री अशोक अग्रवाल, दीक्षांत पटेल, सौरभ दीवान, अनिश मानिकपुरी के साथ साथ वरिष्ठ नागरिकों एवं पेंशनर्स संगठनों के अध्यक्ष/सचिव में श्री प्रकाश देवरस, राकेश श्रीवास्तव, अरविंद दीक्षित, सत्यभामा अवस्थी, आर.पी. शर्मा, जानकी प्रसाद शुक्ला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत-संगीत की प्रस्तुती श्री अनुराग वर्मा, श्री किशोर भूरंगी, श्री अरविंद कांत, दिवा कीर्ति, रूकमणी चन्द्राकर, अशोक यादव, शिव पवार, प्रकाश टांक ने दी । कार्यक्रम का सभी वरिष्ठजनों ने भरपूर आनंद उठाया। पूरे कार्यक्रम का संचालन श्री अखिलेश तिवारी एवं श्री प्रशांत मोकाशे ने किया। भव्य कार्यक्रम में विभाग के अधिकारी,कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय था।

वृद्धजनों के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : विधायक

सूरजपुर, संवाददाता। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर आज जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन मंगल भवन सूरजपुर में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्री भूलन सिंह मरावी शामिल हुए। इस अवसर पर जिले के लगभग 250 वृद्धजनों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। विधायक श्री मरावी ने कहा कि वृद्धजन हमारे मार्गदर्शक हैं। उनकी देखभाल सरकार और समाज दोनों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन के लिए लगातार योजनाओं को मजबूत बना रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना और श्री रामलला दर्शन योजना से जिले के बुजुर्गों के लाभान्वित होने की जानकारी दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा ने कहा कि वृद्धजन दिवस हमें अपने माता पिता और अन्य बुजुर्गों की प्रति दायित्वों की याद दिलाता है। माता-पिता की सेवा ही ईश्वर की पूजा है। उनके दिए संस्कारों से ही हम अपने जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। उन्होंने अपील की कि समाज के सभी लोग वृद्धजनों का सम्मान करें और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करें। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने कहा कि जिला प्रशासन बुजुर्गों के लिए चलाई जा रही योजनाओं को गंभीरता से लागू कर रहा है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में एकल परिवार की प्रवृत्ति के कारण माता-पिता की देखभाल में कठिनाई हो रही है, ऐसे में समाज को आगे आकर वृद्धाश्रमों में रह रहे बुजुर्गों की देखभाल करनी चाहिए।

ग्रामीण स्वास्थ्य की दिशा में बड़ा कदम परसा में आयोजित बहुविशेषज्ञता शिविर से सैकड़ों लाभान्वित

उदयपुर,अम्बिकापुर। अदाणी ट्रैक्स मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड (ञरूस्र) ने अपनी सीएसआर शाखा, अदाणी फाउंडेशन के साथ मिलकर सोमवार, 29 सितम्बर 2025 को परसा के मार्केट शेड में एक बहुविशेषज्ञता स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों और वंचित समुदाय को उनके घर के नजदीक नि:शुल्क विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना था। शिविर में बाल रोग, स्त्री रोग, सामान्य चिकित्सा एवं नेत्र जांच जैसी सेवाएँ प्रदान की गईं। कुल 164 मरीजों ने प्रात: 11:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक आयोजित इस पहल का लाभ उठाया। मरीजों को नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श, दवाइयाँ, नेत्र परीक्षण

और चश्मों का वितरण किया गया। साथ ही ईसीजी और ब्लड प्रेशर की जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। शिविर में आँखों की समस्याएँ, बदन दर्द व गठिया, खाँसी-जुकाम एवं बुखार और स्त्री रोग संबंधी समस्याओं का समाधान किया गया। चिकित्सा टीम का नेतृत्व डॉ. दीपक कुमार पुँगले ने किया। टीम में रायपुर के प्रतिष्ठित चिकित्सक शामिल थे, जिनमें डॉ. अपेक्षा सिंह गहरवार (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. स्मिता (बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. प्रियंका गुप्ता (नेत्र रोग विशेषज्ञ) और डॉ. चेतन चतुर्वेदी (एमडी फिजिशियन एवं डीएम कार्डियोलॉजिस्ट) शामिल थे। शिविर की जानकारी गाँव के प्रमुख प्रतिनिधियों को निमंत्रण, सोशल मीडिया, पंपलेट वितरण और मुनादी के माध्यम से दी गई।

जिले में 2 अक्टूबर को सभी ग्राम पंचायतों में होगी ग्रामसभा का आयोजन

एमसीबी। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा-6 के प्रावधान तथा शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 24 मार्च 2008 के निर्देशानुसार मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की समस्त ग्राम पंचायतों एवं उनके आश्रित ग्रामों में 02 अक्टूबर 2025 को ग्रामसभा का आयोजन किया जाएगा। निर्धारित तिथियों 23 जनवरी, 14 अप्रैल, 20 अगस्त एवं 02 अक्टूबर के अतिरिक्त प्रतिवर्ष जून और नवम्बर माह में भी ग्रामसभा आयोजित की जाती है। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा ने समय सीमा की बैठक के दौरान जानकारी दी कि 02 अक्टूबर को आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक ग्राम सभा स्थल पर पोस्टर चस्पा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामसभा कार्यवाही में पंचायत की आय-व्यय समीक्षा, योजनाओं की प्रगति, मनरेगा कार्यों की स्थिति, सामाजिक अंकेक्षण, खाद्यान्न वितरण, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, मौसमी बीमारियों की रोकथाम, पंचायत कर निर्धारण, आवारा मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण और पंचायत उन्नति सूचकांक (क्क्ष्ठ) स्कोर सहित अनेक विषयों पर चर्चा होगी। इसके साथ ही एचआईवी/एड्स जागरूकता, धान उपार्जन हेतु पंजीयन, बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान, राष्ट्रीय पोषण माह 2025 और अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष से जुड़े बिंदुओं को भी एजेंडे में शामिल किया गया है।

प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी के प्रयासों से 15 करोड़ की सड़कों की सौगात

■ ग्रामीणों ने जताया आभार, कहा जननायक बदल रहे क्षेत्र की तस्वीर

सूरजपुर संवाददाता। प्रेमनगर क्षेत्र के विकास को नई दिशा देने में विधायक भूलन सिंह मरावी लगातार अहम भूमिका निभा रहे हैं। जनता की उम्मीदों को अपना संकल्प मानते हुए उन्होंने यह साबित किया है कि उनकी राजनीति का मक़सद केवल पद नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण है। उनके अथक प्रयासों और शासन-प्रशासन से सतत संवाद का परिणाम है कि सूरजपुर जिले को एक साथ 15 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले कई सड़क निर्माण कार्यों की मंजूरी मिली है। किन मार्गों को मिली स्वीकृति- राज्य शासन से जारी आदेश के अनुसार इन प्रमुख मार्गों पर सड़क निर्माण/उन्नयन कार्य स्वीकृत हुए हैं। लक्ष्मीपुर से दोई मार्ग - 3.05 किमी, लागत 3.51 करोड़। छिन्दिया से पिवरी मार्ग - 3.50 किमी,

लागत 3.41 करोड़। जयनगर से कांसापारा मार्ग - 3.60 किमी, लागत 3.80 करोड़। तेलसरा अटल चौक से गोपीपुर मार्ग - 2.50 किमी, लागत 3.19 करोड़। पस्ता से वद्रिका आश्रम होते हुए सरईपारा रामानुजनगर मार्ग - 3.80 किमी, लागत 4.37 करोड़। इनके अलावा भी कई ग्रामीण सड़कों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। कुल मिलाकर लगभग 20 किलोमीटर लंबी सड़कों पर 15 करोड़ से अधिक खर्च होगा। खुशी की लहर- निर्माण स्वीकृति की खबर मिलते ही ग्रामीण अंचलों में उत्साह का माहौल है। लोगों ने कहा कि बरसों से खराब सड़कों के कारण आवागमन में परेशानी होती थी, अब राहत मिलेगी। किसानों को फसलों की ढुलाई आसान होगी। बच्चों को स्कूल-कॉलेज जाने में सुविधा होगी। मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएँ समय पर मिलेंगी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार मिलेगी। विधायक के प्रति आभार- ग्रामीणों ने कहा विधायक जी दिन-रात क्षेत्र के विकास के लिए मेहनत कर रहे हैं। आज उनकी लगन का ही नतीजा है कि करोड़ों की सौगात हमें मिली है। अब हमारी सड़कें भी शहर जैसी बनेंगी, यह हमारे लिए किसी त्यौहार से कम नहीं है। विधायक मरावी का कहना- विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा मेरे लिए जनता ही सर्वोपरि है। दिल्ली से रायपुर तक लगातार प्रयास कर मैं विकास योजनाएँ लाता हूँ। यह मंजूरी सूरजपुर जिले की जनता की जीत है। आगे भी और योजनाएँ लाकर क्षेत्र की तस्वीर बदलने का काम करूंगा।

भटगांव में दशहरा महोत्सव की धूम, 45 फीट ऊँचे रावण दहन से गूंजेगा शिव मंदिर परिसर

सूरजपुर/ संवाददाता। जिले के नगर पंचायत भटगांव स्थित शिव मंदिर परिसर में इस वर्ष भी दशहरा महोत्सव भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। मां दुर्गा पूजन समिति के तत्वावधान में दशहरा की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। समिति अध्यक्ष विनोद सिंह ने बताया कि वर्षों की परंपरा का निर्वहन करते हुए इस बार भी शिव मंदिर परिसर में दशहरा पर्व का आयोजन धूमधाम से होगा। कार्यक्रम के तहत लगभग 45 फीट ऊँचे रावण का पुतला दहन किया जाएगा।

रावण दहन से पूर्व पारंपरिक मंचन

कार्यक्रम का शुभारंभ रात 8 बजे से होगा। रावण दहन से पूर्व श्रद्धालु पारंपरिक प्रस्तुतियाँ और श्रीराम-रावण युद्ध का मंचन देख सकेंगे। ठीक 8.30 बजे रावण दहन के साथ आसमान आतिशबाजी की चमक से रोशन हो जाएगा।

हजारों दर्शकों के लिए विशेष इंतजाम

समिति ने अनुमान जताया है कि इस बार करीब 10 हजार लोग महोत्सव में शामिल हो सकते हैं। इसे देखते हुए विशेष लाइटिंग, मंच सज्जा और दर्शकों के बैठने-खड़े होने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। समिति के कार्यकर्ता लगातार तैयारियों में जुटे हैं ताकि कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सके। भटगांव थाना प्रभारी सरफराज फिरदौसी ने बताया कि दशहरा महोत्सव के लिए सुरक्षा और यातायात की

विशेष व्यवस्था की गई है। पुलिस बल चौकसी में जुटा है ताकि भीड़ में किसी तरह की अव्यवस्था न हो। उन्होंने आमजन से अपील की कि नशे से दूर रहें, यातायात नियमों का पालन करें और प्रशासन का सहयोग करें। भटगांव का दशहरा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का महोत्सव बन चुका है। प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी यह मेला क्षेत्रवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा।

समिति के पदाधिकारी व सदस्य

अध्यक्ष विनोद सिंह, उपाध्यक्ष अनिल सिंह, सचिव भावेश जायसवाल, कोषाध्यक्ष मनोरंजन सिन्हा, सह-कोषाध्यक्ष रोहित सिंह, पंडित जी समीर चटरजी, सौम्यब्रत, सदस्य चंदन जायसवाल, अक्षय सिंह, सुशील सिंह, रितेश तिवारी, बजरंगी सिंह, विक्की पटेल, मनोज साहू, नीलेश पटेल, रंजीत सिंह, नीरज सिंह, अजीत, अनीष, अमरेंद्र, निखिल, मिट्ठू, अभिषेक, आलोक, रेवंत, चंद्रकांत, मनीष आदि।

कलेक्टर की समय-सीमा बैठक में सभी विभागीय कार्यों का किया समीक्षा

एमसीबी। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों की विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए विभागीय पत्रों, शिविरों के लंबित मुद्दों, डीएमएफकार्यों की प्रगति और आगामी बैठक में शामिल होने वाले प्रस्तावों की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही जन शिकायतों, जनदर्शन, सीएम पोर्टल और पीएम पोर्टल की स्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने परसगढ़ी, अमृतधारा, चिरमिरी, खड़गवां और भरतपुर में उद्योग हेतु जमीन सर्वे के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग को जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत हेतु एस्टीमेट भेजने के लिए कहा गया है । जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा ने जानकारी दी कि 02 अक्टूबर 2025 को जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं आश्रित ग्रामों में ग्रामसभा बैठक आयोजित होगी। इसके प्रचार-प्रसार के लिए प्रत्येक ग्रामसभा में पोस्टर चस्पा करने के निर्देश दिए गए हैं। और ग्राम सभा कार्यवाही में पंचायत की आय-व्यय समीक्षा, योजनाओं की प्रगति, मनरेगा कार्यों की स्थिति, सामाजिक अंकेक्षण, खाद्यान्न वितरण, जन्म-मृत्यु पंजीयन, मौसमी बीमारियों की रोकथाम, पंचायत कर निर्धारण, आवारा मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं पर नियंत्रण।

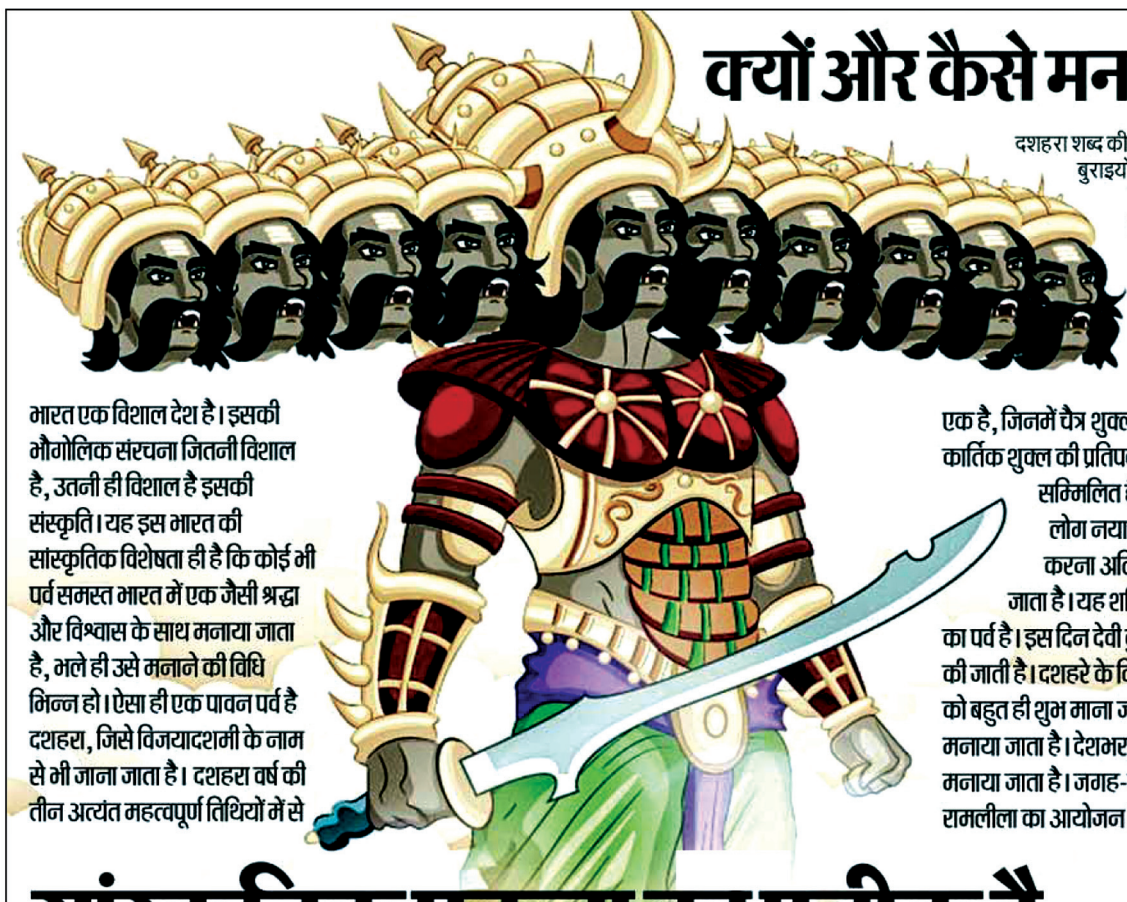

सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है विजयादशमी पर्व

भारत एक विशाल देश है। इसकी भौगोलिक संरचना जितनी विशाल है, उतनी ही विशाल है इसकी संस्कृति। यह इस भारत की सांस्कृतिक विशेषता ही है कि कोई भी पर्व समस्त भारत में एक जैसी श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया जाता है, भले ही उसे मनाने की विधि भिन्न हो। ऐसा ही एक पावन पर्व है दशहरा, जिसे विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। दशहरा वर्ष की तीन अत्यंत महत्वपूर्ण तिथियों में से एक है, जिनमें चैत्र शुक्ल की एवं कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा भी सम्मिलित है। इस दिन लोग नया कार्य प्रारंभ करना अति शुभ माना जाता है। यह शक्ति की पूजा का पर्व है। इस दिन देवी दुर्गा की भी पूजा की जाती है। दशहरे के दिन नीलकंठ के दर्शन को बहुत ही शुभ माना जाता है। दशहरा नवरात्रि के बाद दसवें दिन मनाया जाता है। देशभर में दशहरे का उत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। जगह-जगह मेले लगते हैं। दशहरे से पूर्व रामलीला का आयोजन किया जाता है। इस दौरान नवरात्रि भी होती है। कहीं-कहीं रामलीला का मंचन होता है, तो कहीं जागरण होते हैं। दशहरे के दिन रावण के पुतले का दहन किया जाता है। इस दिन रावण, उसके भाई कुम्भकर्ण और पुत्र मेघनाद के पुतले जलाए जाते हैं। कलाकार राम, सीता और लक्ष्मण के रूप धारण करते हैं और अग्नि बाण इन पुतलों को मारते हैं। पुतलों में पटाखे भरे होते हैं, जिससे वे आग लगते ही जलने लगते हैं।

समस्त भारत के विभिन्न प्रदेशों में दशहरे का यह पर्व विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है। कश्मीर में नवरात्रि के नौ दिन माता रानी को समर्पित रहते हैं। इस दौरान लोग उपवास रखते हैं। एक परंपरा के अनुसार नौ दिनों तक लोग माता खीर भवानी के दर्शन करने के लिए जाते हैं। यह मंदिर एक झील के बीचोंबीच स्थित है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। रंग-बिरंगे वस्त्रों से सुसज्जित पहाड़ी लोग अपनी परंपरा के अनुसार अपने ग्रामीण देवता की शोभायात्रा निकालते हैं। इस दौरान वे तुरही, बिगुल, ढोल, नगाड़े आदि वाद्य बजाते हैं तथा नाचते-गाते चलते हैं। शोभायात्रा नगर के विभिन्न भागों में होती हुई मुख्य स्थान तक पहुंचती है। फिर ग्रामीण देवता रघुनाथजी की पूजा से दशहरे के उत्सव का शुभारंभ होता है। हिमाचल प्रदेश के साथ लगते पंजाब तथा हरियाणा में दशहरा पर नवरात्रि की धूम रहती है। लोग उपवास रखते हैं। रात में जागरण होता है। यहां भी रावण-दहन होता है और मेले लगते हैं।

बंगाल, ओडिशा एवं असम में दशहरा दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है। बंगाल में पांच दिवसीय उत्सव मनाया जाता है। ओडिशा और असम में यह पर्व चार दिन तक चलता है। यहां भव्य पंडाल तैयार किए जाते हैं तथा उनमें देवी दुर्गा की मूर्तियां स्थापित की जाती हैं और देवी दुर्गा की पूजा-अर्चना की जाती है। दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। महिलाएं देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं। इसके पश्चात देवी प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है। विसर्जन यात्रा में असंख्य लोग सम्मिलित होते हैं।

गुजरात में भी दशहरे के उत्सव के दौरान नवरात्रि की धूम रहती है। कुंआरी लड़कियां सर पर मिट्टी के रंगीन घड़े रखकर नृत्य करती हैं, जिसे गरबा कहा जाता है। पूजा-अर्चना और आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन किया जाता है। महाराष्ट्र में भी नवरात्रि में नौ दिन मां दुर्गा की उपासना की जाती है तथा दसवें दिन विद्या की देवी सरस्वती की स्तुति की जाती है। इस दिन बच्चे आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं।

तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में दशहरे के उत्सव के दौरान लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा की जाती है। पहले तीन दिन धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन होता है। दूसरे दिन कला एवं विद्या की देवी सरस्वती-की अर्चना की जाती है तथा और अंतिम दिन शक्ति की देवी दुर्गा की उपासना की जाती है। कर्नाटक के मैसूर का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को प्रकाश से ससज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रृंगार कर पूरे शहर में एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। इन द्रविड़ प्रदेशों में रावण का दहन का नहीं किया जाता।

छत्तीसगढ़ के बस्तर में भी दशहरा का बहुत ही अलग तरीके से मनाया जाता है। यहां इस दिन देवी दंतेश्वरी की आराधना की जाती है। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैं, जो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह त्यौहार 75 दिन यानी श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। प्रथम दिन जिसे काछिन गादि कहते हैं, देवी से समारोह आरंभ करने की अनुमति ली जाती है। देवी कांटों की सेज पर विराजमान होती हैं, जिसे काछिन गादि कहा जाता है। यह कन्या एक अनुसूचित जाति की है, जिससे बस्तर के राजपरिवार के व्यक्ति अनुमति लेते हैं। बताया जाता है कि यह समारोह लगभग पंद्रहवीं शताब्दी में आरंभ हुआ था। काछिन गादि के बाद जोगी-बिठाई होती है, तदुपरांत भीतर रैनी (विजयदशमी) और बाहर रैनी (रथ-यात्रा) निकाली जाती है। अंत में मुरिया दरबार का आयोजन किया जाता है। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है।

दशहरे के दिन वनस्पतियों का पूजन किया जाता है। रावण दहन के पश्चात शमी नामक वृक्ष की पत्तियों को स्वर्ण पत्तियों के रूप में एक-दूसरे को ससम्मान प्रदान कर सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। इसके साथ ही अपराजिता (विष्णु-क्रांता) के पुष्प भगवान श्रीराम के चरणों में अर्पित किए जाते हैं। नीले रंग के पुष्प वाला यह पौधा भगवान विष्णु को प्रिय है। दशहरे का केवल धार्मिक महत्व ही नहीं है, अपितु यह हमारी सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है।

क्यों और कैसे मनाया जाता है दशहरा?

दशहरा शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द 'दश- हर' से हुई है जिसका शाब्दिक अर्थ दस बुराइयों से छुटकारा पाना है। दशहरा उत्सव, भगवान श्रीराम का अपनी अपहृत पत्नी को रावण पर जीत प्राप्त कर छुड़ाने के उपलक्ष्य में तथा अच्छाई की बुराई पर विजय, के प्रतीकात्मक रूप में मनाया जाता है। यह देश भर में लाखों लोगों द्वारा मनाया जाता है जो कि अलग-अलग स्थानों पर दशहेरा और दशैं जैसे नामों से जाना जाता है। खुले स्थानों पर मेलों का आयोजन एवं पौराणिक श्रीलंका के राक्षसराज रावण के बड़े- बड़े पुतलों का प्रदर्शन किया जाता है। बाद में इन पुतलों को बड़े हर्ष-उल्लास सहित जलाया जाता है। दशहरा के साथ नवरात्रि उत्सव भी संपन्न हो जाता है। दशहरा के दिन, प्रथम नवरात्रे में प्रतिस्थापित की गयी देवियों की मूर्तियों का विसर्जन पानी में करके, उपवास में लीन श्रद्धालु एक दूसरे को जाकर मिठाइयाँ भेंट करते हैं।हर वर्ष, देश भर में रामलीला का आयोजन किया जाता है जिसमे भगवान श्रीराम का दस सिरों वाले दैत्य के साथ युद्ध का मंचन होता है। रामलीला भारत का सबसे प्राचीन एवं लोकप्रिय नाटक है और नई दिल्ली में लाल किला मैदान में लव-कुश रामलीला कमेटी द्वारा इसका मंचन किया जाता है। लोगो हजारों की तादाद में महाकाव्य रामायण पर आधारित इस नाटक को देखने आते हैं। भारत के अतिरिक्त, दशहरा अपने अलग-अलग रूपों में नेपाल, श्रीलंका, और बांग्लादेश जैसे देशों में भी मनाया जाता है।

अधर्म पर धर्म की विजय विजयादशमी

नवरात्री के नौ दिनों के पश्चात आता है विजयादशमी का पर्व जिसे दशहरा के रूप में भी जाना जाता है.यह पर्व अधर्म पर धर्म की विजय और असत्य पर सत्य की जीत के रूप में मनाया जाता है.विजयादशमी का पर्व भगवान श्री राम द्वारा रावण का वध कर धरा को पापमुक्त बनाने की खुशी में मनाया जाता है.रावण द्वारा सीता के हरण, बेकसूर साधु-संतों व देवताओं को सताए जाने के परिणामस्वरूप उसे प्रभु श्री राम के बाणों का शिकार होना पड़ा.इस दिन को माँ दुर्गा द्वारा महिषासुर के वध के रूप में भी मनाया जाता है.विजयादशमी का पर्व मनुष्यों को हमेशा सत्य एवं धर्म के मार्ग पर चलते हुए अपने अंदर के दुर्गुणों का विनाश करने की प्रेरणा देता है. यह पर्व सन्देश देता है कि यदि हम अपने अंदर की बुराइयों का विनाश कर दें तो हमारी जीत सुनिश्चित है.मनुष्य के अंदर की वो प्रमुख बुराइयां जिन पर विजय पाना प्रत्येक मनुष्य के लिए आवश्यक है :

• पाप • क्रोध • मोह • लोभ • ईर्ष्या • घमण्ड • स्वार्थ • वासना • अहंकार • अन्याय • अमानवता

इस विजयदशमी पर आइये प्रण करें कि धीरे-धीरे ही सही पर अपने अन्दर से एन बुराइयों को निकालने की हम पूरी कोशिश करें.और मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के पथ पर चलें.

विजयादशमी पर करें अस्त्र-शस्त्र का पूजन

विजयादशमी। असत्य पर सत्य की जीत का दिन। इसी दिन राम ने रावण का वध किया था। सत्य जीता था, असत्य पराजित हुआ था। प्रकाश जीता था, अंधकार हारा था। इसी लिए यह दिन आम आदमी का उत्सव बन गया। यह दिन हमें अशुभ से शुभ की ओर प्रेरित करता है। यह दिन केवल राम के विजय का दिन नहीं है समग्र मनुष्यता के विजय व खुशी का दिन है। रावण वध में अस्त्र-शस्त्रों का प्रयोग हुआ था। इसी लिए इस दिन अस्त्र-शस्त्र पूजा की परम्परा है। शस्त्र पूजन कैसे करें, क्या है इसका महत्व ,नीलकंठ दर्शन का क्या है महत्व आदि पर विस्तार बता रहे हैं ज्योतिषाचार्य पं.शरदचन्द्र मिश्र। श्री मिश्र के अनुसार विजयादशमी के दिन ब्राह्मण, सरस्वती, अस्त्र-शस्त्र एवं शमी वृक्ष का पूजन होता है। इसी दिन प्रात.स्नान के बाद घर के आंगन में दशहरा का चित्र चूने या गेरु से बनाया जाता है। इसमे पुरुषाकृति व उसके दोनों ओर अस्त्र-शस्त्र व सामने नवैद्य रखा जाता है। साथ ही एक कलश और धूप-दीप के चित्र बनाये जाते हैं। इसके बाद ऊपर से गोबर की नौ टिकड़िया (बिन्दिया) लगाई जाती हैं। तत्पश्चात केला, मूली व ग्वारफली के साथ श्रद्धानुसार दक्षिणा रख कर धूप-दीप प्रज्जवलित कर जल, मोती, रोली, चावल, पुष्प, ज्वार इत्यादि से पूजन किया जाता है। पूजन करके दक्षिणा में एक सिक्का उठाकर धन-धान्य वृद्धि की कामना करते हुए तिजोरी अथवा धन रखने के स्थान पर रखते हैं। इसके बाद खीर पूड़ी आदि बनाकर भगवान राम को भोग लगाकर और रामचन्द्र जी की पूजा कर ब्राह्मण पूजन के साथ यथाशक्ति दक्षिणा दें। उन्होंने बताया कि विजयादशमी के दिन जहां चित्र में अस्त्र-शस्त्र बनाते हैं वहीं कलम-दवात एवं बही-खाते की पूजा भी की जाती है। इस दिन व्यापारी विभिन्न वस्तुओं के बाजार भाव एक कागज पर रखकर पूजा करते हैं। उस पुरुषाकृति चित्र का पूजन किया जाता है इसे दशहरा पूजा कहते हैं। इस दिन नये खाते-बही का भी पूजन प्रारंभ किया जाता है। आज के दिन प्रारंभ किये गये सभी कार्य सफल होते हैं। नवरात्र में स्थापित प्रतिमा का विसर्जन और नवरात्र व्रत के परायण का दिन है। एक बार मां पार्वती ने शिवजी से दशहरा पूजन के सम्बध के और इसके फल के विषय में पूछा। तब शिव ने उत्तर दिया कि विजय के इच्छुक को विजयादशमी के दिन प्रस्थान करना चाहिए। इसी दिन रामचन्द्र ने लंका पर चढ़ाई की थी। प्रत्येक वीर पुरुष को नगर के बाहर जाकर लौटना चाहिए।

शमी वृक्ष की पूजा जरुरी

जब पाण्डवों को बारह वर्ष का अज्ञातवास हुआ तब दुर्योधन ने एक शर्त रखी कि इस अवधि में पहचान लिए जाने पर पुन: अज्ञातवास 12 वर्ष के लिए भोगना पड़ेगा। इस लिए पहचान छिपाने के लिए अर्जुन ने अपना गाण्डीव (धनुष) शमी के वृक्ष पर रख दिया। कुछ समय पश्चात गायों पर अत्याचार कर रहे राजा विराट के शत्रुओं को सबक सिखाने के लिए शमी से कुछ समय के लिए गाण्डीव लिये और विजय प्राप्त किया। इसके पूर्व श्रीराम ने लंका विजय अभियान पर जाते समय शमी वृक्ष की पूजा की थी उस समय विजयादशमी और विजयकाल था। तब शमी ने श्रीराम को विजय का आशीर्वाद दिया। विजय मुहुर्त में कवजया देवी का पूजन करने से सर्वत्र सफलता मिलती है। आज के दिन दोपहर में ईशान कोण में पवित्र स्थान पर चन्दन, कुंकुम और कमल के पुष्प अर्पितकर धूप-दीप से अपराजिता, जया और विजया देवियों का पूजन करना चाहिए। ढ़ोल बाजे के साथ शमी देवी का पूजन कर जड़ से मिट्टी लेकर धूमधाम से लौटकर मिट्टी को पवित्र स्थान पर रखना चाहिए। विजयादशमी के दिन नीलकंठ पक्षी का दर्शन शुभ माना जाता है।

विजयादशमी का पर्व देता है बुराईयों से लड़ने का संदेश

विजयादशमी का पर्व। यह पर्व शक्ति आनंद और उल्लास का पर्व है। यह पर्व है बुराई पर अच्छाई की जीत का। जी हां, गुण और दोष सभी में होते हैं। कहा जाता है कि मानव गलतियों का पुतला होता है। स्वभावत: मानव बुरी बातों को पहले ग्रहण करता है जबकि अच्छी आदतों को वह सीखने में काफी समय लगा देता है। लंकापि रावण प्रकाण्ड विद्वान था। मगर उसके बाद भी उसे भगवान श्री राम से बैर का सामना करना पड़ा। दरअसल रावण शिव भक्त था लेकिन उसने माता सीता का हरण कर लिया और फिर भगवान श्री राम के लिए कटु वचन भी कहे। भगवान श्री राम द्वारा शरण में आने की बात कहने के बाद भी रावण नहीं माना और भगवद् बैरी हो गया। उसमें अहंकार अधिक हो गया था। लंकेश अपने आपको ही अधिक मानने लगा था और भगवान श्री राम का तिरस्कार करता था। माता सीता का हरण करने के साथ ही उसने वानरों पर अत्याचार किए। आधुनिक दौर में भी मानव के सामने कई बुराईयां हैं। इन बुराईयों का सामना करने के लिए मानव को बड़े पैमाने पर जतन करने होते हैं। जहां व्यक्ति काम, क्रोध, मद, मोह लोभ से ग्रसित है वहीं वर्तमान में आतंकवाद मानवता के सामने एक बड़ी चुनौती है। व्यक्ति अपने आप से ही लड़ रहा है। ऐसे में एक तरह का अंर्तद्वंद हमारे जीवन में चलता है और हम उसी का सामना करते हैं। आधुनिकता के फेर में व्यक्ति अपनों से दूर होता जा रहा है। रिश्तों में और समाज में दिखावा और अहंकार बढ़ने लगा है। ये बुराईयां मृग मारिच की तरह हमें दौड़ती हैं और हम इनसे पीछा नहीं छुड़ा पाते हैं। आतंकवाद को रावण की बुराईयों के साथ तुलनात्मक तौर पर इसलिए रखा जा रहा है क्योंकि रावण अपने जीवन में आततायी हो गया था। उसके हठ और अहंकार के कारण कई वीर व पराक्रमियों को अपने जीवन और राज्य का नुकसान उठाना पड़ा। बड़े पैमाने पर जान माल का नुकसान हुआ उसी तरह से आतंकवाद वर्तमान में मानवीय जीवन के लिए घातक बना हुआ है। अपनी सम्राज्वादी महत्वाकांक्षा और एक धर्म विशेष को सभी पर लादने का हठ आतंकियों को दुनिया में सबकुछ नष्ट करने पर आमादा कर रहा है। ऐसे में आतंकवाद रूपी रावण का समूचे विश्व को सामना करना होगा। रावण के जीवन दृष्टांत से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। तो जीवन में भगवान श्री राम के आदर्शों को अपनाने पर जीवन फूल की बगिया की तरह सुवासित हो सकता है।

विजयदशमी पर करें ये उपाय होंगे कई लाभ

विजयदशमी का पर्व राष्ट्रीय महत्व का पर्व है। भारत के कई प्रदेशों में यह कृषि से संबंधित पर्व भी है। हमारे धर्म ग्रंथों में इस पर्व में आयुध पूजा तथा शमी वृक्ष की पूजा का भी विधान है। हमारी संस्कृति में शमी को पवित्रतम वृक्ष माना गया है, कदाचित यही कारण रहा था कि रामायण में हनुमानजी ने माता-सीता को शमी वृक्ष के समान पवित्र कहा था। शमी वृक्ष का पूजन करने से पतिव्रता स्त्रियों को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है और जो लोग शत्रुओं से पीड़ित हों, उन्हें विजय मिलती है। 'श्रीरामचरितमानस' के लंकाकांड में वर्णित राम-रावण युद्ध प्रसंग का पाठ करने से शत्रु पर विजय प्राप्त होती है। विजयदशमी का पावन पर्व न केवल हमारी आध्यात्मिक ऊर्जा को ही बढ़ाता है बल्कि यह दिन शास्त्रों में किसी भी मांगलिक कार्य के लिए वर्ष भर के प्रशस्त दिनों में से भी एक है। सभी तरह के शुभ कार्य व अनुष्ठान आदि विजयदशमी के दिन अनंत फल देने वाले हो जाते हैं। दशहरा शक्तिपूजन का दिन है। इसीलिए प्राचीन शास्त्रीय परंपरा के अनुरूप आज तक क्षत्रिय-क्षत्रपों के यहां शक्ति के पूजन के रूप में अस्त्र-शस्त्रों का अर्चन-पूजन होता है। सभी कार्यों में सिद्धि प्रदान करने वाला दशहरा पर्व है, जो सभी मनोवांछित फल प्रदान करता है। इस दिन अनेक धार्मिक अनुष्ठान करने की परंपरा शास्त्रों में है। परिवार के साथ घर से पूर्व दिशा की ओर जाकर शमी वृक्ष अर्थात खेजड़ी का पूजन करना चाहिए। खेजड़ी वृक्ष की पूजा करने के बाद उसकी टहनी घर में लाकर मुख्य चौक के अंदर प्रतिष्ठित करनी चाहिए। शमी शत्रुओं का समूल विनाश करती है। शमी के कांटे हत्या इत्यादि से पापों से भी रक्षा करते हैं। वास्तु के अनुसार, प्रतिदिन शमी वृक्ष का पूजन करने से और सरसों के तेल का दीप अर्पित करने से शनि के दुष्प्रभाव से निजात मिलता है।

दशहरा पर्व पर शमी पूजन का महत्व

भारतीय परंपरा मे विजयादशमी पर शमी पूजन का पौराणिक महत्व रहा है। जन मानस में विजयादशमी 'दशहरा' के नाम से भी प्रचलित है। श्रद्धालुओं द्वारा दशहरा पर सायंकाल शमी वृक्ष का पूजन कर उससे आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। इस परंपरा के पीछे शमी वृक्ष का महत्व छुपा है। आश्विन (क्वार) माह के दशहरे के दिन अपराह्न को शमी वृक्ष के पूजन की परंपरा विशेष कर क्षत्रिय व राजाओं मे रही है। आज भी यह परंपरा कायम है। कहते हैं कि ऐसा करने से मानव पवित्र हो जाता है। इसके लिए घर या गांव के ईशान कोण (पूर्वोत्तर) में स्थित शमी का वृक्ष विशेष लाभकारी माना गया है। दशहरे के दिन शमी वृक्ष का पूजन अर्चन व प्रार्थना करने के बाद जल और अक्षत के साथ वृक्ष की जड़ से मिट्टी लेकर गायन-वादन और घोष के साथ अपने घर आने के निर्देश है। शमी पूजा के कई महत्वपूर्ण मंत्र भी हैं जिनका उच्चारण किया जाता है। इन मंत्रों में भी अमंगलों और दुष्कृत्य का शमन करने, दुस्वप्नों का नाश करने वाली, धन देने वाली, शुभ करने वाली शमी के प्रति पूजा अर्पित करने की बात कही गई है। कहते हैं कि लंका पर विजय पाने के बाद राम ने भी शमी पूजन किया था। नवरात्र में मां दुर्गा की पूजा भी शमी वृक्ष के पत्तों से करने का शास्त्र में विधान है। इस दिन शाम को वृक्ष का पूजन करने से आरोग्य व धन की प्राप्ति होती है। दशहरे पर शमी के वृक्ष की पूजन परंपरा हमारे यहां प्राचीन समय से चली आ रही है। ऐसी मान्यता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने लंका पर आक्रमण करने के पूर्व शमी वृक्ष के सामने शिश नवाकर अपनी विजय हेतु प्रार्थना की थी। महाभारत के सदर्भ से पता चलता है कि पांडवों ने देश निकाला के अंतिम वर्ष मे अपने हथियार शमी के वृक्ष मे ही छिपाए थे। संभवत: इन्हीं दो कारणों से शमी पूजन की परंपरा प्रारभ हुई होगी। शमी वृक्ष तेजस्विता एवं दृढता का प्रतीक भी माना गया है, जिसमें अग्नि तत्व की प्रचुरता होती है। इसी कारण यज्ञ में अग्नि प्रकट करने हेतु शमी की लकड़ी के उपकरण बनाए जाते हैं। आयुर्वेदिक दृष्टि में तो यह अत्यंत गुणकारी औषधि मानी जाती है। शमी वृक्ष के संदर्भ में कई पौराणिक कथाओं का आधार विद्यमान है। यज्ञ परंपरा में शमी के पत्तों का हवन गुणकारी माना गया है। शमी का पेड़ (प्रोसोपिस सिनरेरिया) 8-10 मीटर ऊंचा होता है। शाखाओं पर कांटे होते हैं। पत्तियां द्विपक्षवत होती है। शमी के फूल छोटे पीताभ रंग के होते हैं। प्रौढ़ पत्तियों का रंग राख जैसा होता है इसीलिए इसकी प्रजाति का नाम सिनरेरिया रखा गया है अर्थात राख जैसा।

एक ऐसा गाँव जहाँ डॉक्टर बनाते है रावण का पुतला

छत्तीसगढ़ में चर्चित है ग्राम कुथरेल के कलाकार, तीन पीढ़ियों से बन रहा है, चौथी पीढ़ी भी है तैयार

लोकतंत्र प्रहरी/ नाहीद शेख

दुर्ग। असत्य पर सत्य की जीत का प्रतिक दशहरा की तैयारी चल रही है.शहर के कलाकार रावण रूपी पुतले के निर्माण को अंतिम रूप दे रहे हैं.दुर्ग शहर से लगे ग्राम कुथरेल में दुर्ग, भिलाई,रायपुर,राजनांदगांव सहित आसपास के शहरों के लिए पुतले तैयार हो रहे हैं।

इस गाँव कुथरेल की विशेषता ये है कि,यह रावण वाले गाँव के रूप में प्रसिद्द है.यहाँ आधे से ज्यादा घरों में पुतले बनाने वाले कलाकार रहते है।इसका पूरा श्रेय जाता है.जितेन्द्र साहू को जो पेशे से डॉक्टर है अपने क्लीनिक से समय निकालकर दशहरा के लिए पुतले बनाते हैं.बातचीत में उन्होंने बताया कि,ग्राम कुथरेल में सबसे पहले उनके दादा जी ने पुतले बनाने की शुरुआत की तब से लेकर आज तक पीढ़ी दर पीढ़ी रावण रूपी पुतले का निर्माण किया जा रहा है.वे तीसरी पीढ़ी है उनके पहले पिता जी स्वर्गीय लोहन सिंह साहू रावण पुतले का निर्माण करते थे.उन्ही से पुतले बनाने की प्रेरणा मिली.आज वो तीसरी पीढ़ी है और चौथी पीढ़ी भी तैयार हो रही है।

कलाकार, डॉ जितेन्द्र साहू

बातचीत में ही पता चला कि,उनके साथ उनके पिता के साथ में काम करने वाले एक बुजुर्ग कलाकार कृष्णा साहू आज भी उसी जोश से रावण रूपी पुतले का निर्माण कर रहे है.उनसे बात करने पर उन्होंने बताया कि 15 साल की उम्र से वह हर साल जितेन्द्र साहू के पिता साथ काम कर रहे है.और अब उनके जाने के बाद बेटे जितेन्द्र साहू के साथ है.वह अपने अनुभवों से चौथी पीढ़ी को तैयार भी कर रहे है।उन्होंने बातचीत में बताया कि सबसे पहले भिलाई के वैशाली नगर के लिए रावण रूपी पुतला बनाया गया था.उसके बाद काम बढ़ता गया और अब आसपास के शहरों के लिए पुतले बनाए जा रहे है।आपको बता दे जितेन्द्र साहू जितने अच्छे डॉक्टर है उतने ही बेहतर कलाकार है.उन्होंने बातचीत में बताया कि,रावण पुतला निर्माण उनका व्यवसाय नहीं है वे सिर्फ पूर्वजों की कला को जीवित रखने के लिए दशहरा पर पुतला बनाते हैं.और उनकी खास बात ये है कि,दोनों ही पेशे में बराबर समय देते है.और इसके अलावा अपने मरीजों को भी खास हिदायत देते है कि अपने भीतर की बुराईयों को दूर करें और स्वस्थ्य जीवन शैली को अपनाए। आपको बता दें,ग्राम कुथरेल में जितना बेहतर पुतले बनाए जाते हैं.उतना शानदार यहाँ का दशहरा मनाया जाता है.उड़ीसा कटक के आतिशबाजों के द्वारा आतिशबाजी की जाती है और विशाल रावण के पुतले का दहन किया जाता है।

विजया दशमी पर विहिप (बजरंग दल) एवं दुर्गा वाहिनी की मातृ शक्तियों ने की शस्त्र पूजा

कुम्हारी । कुम्हारी में हुआ पारंपरिक आयोजन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थानीय विश्व हिन्दू परिषद (बजरंग दल) कुम्हारी प्रखंड में मातृ शक्ति एवं दुर्गा वाहिनी द्वारा विजय दशमी के अवसर पर शस्त्र पूजा का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कुम्हारी नगर के संयोजक कुणाल शर्मा, नगर मंत्री भूपेंद्र मानिकपुरी एवं नगर संयोजिका रत्ना दास के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। आयोजन में मुख्य रूप से जिला संयोजिका शशि बंछोर, कुम्हारी पालिकाध्यक्ष मीना वर्मा, वार्ड 18 के पार्षद आर. प्रवीण राव, हरीश सोनी, महेश कुमार, विनीत वर्मा, सुनील राजपूत, जया लक्ष्मी एवं तृप्ति चन्द्राकर उपस्थित रहे।

मातृ शक्तियों की सक्रिय भागीदारी–इस मौके पर दुर्गा वाहिनी की मातृ शक्तियों ने शस्त्र पूजन कर समाज में शक्ति, साहस एवं धर्म की रक्षा का संकल्प लिया। पूजन कार्यक्रम के दौरान परंपरागत रीति-रिवाजों से शस्त्रों की आरती उतारी गई और धार्मिक व सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया गया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि शस्त्र पूजा केवल परंपरा ही नहीं, बल्कि यह शक्ति और संयम का प्रतीक है, जो समाज को साहस, आत्मबल और अनुशासन का संदेश देता है।

आईडी हैक मामलाः तिवारी और वर्मा से जुड़ेंगे तार, मिलीभगत से हुआ काम

मामला लखोली की जमीन को राजेंद्र जैन के नाम पर करने का, काफी समय तक राजस्व विभाग के अधिकारियों ने दबाए रखा मामला

राजनांदगांव। राजस्व विभाग अपने कारनामों को लेकर काफी चर्चा में रहता है। तकरीबन एक करोड़ की जमीन किसी अन्य के नाम ऑनलाइन ही चढ़ा दी गई, जबकि उसकी शिकायत हुई तो विभागीय अधिकारियों ने जांच को ही रोक दिया। अब इस मामले में राजेंद्र जैन जिसके नाम जमीन की गई उसके खिलाफ और एक मोबाइल नंबर (70003 87873) धोखाधड़ी का मामला कोतवाली पुलिस ने दर्ज कर लिया है। वहीं मामले की जांच भी शुरू कर दी है। विभागीय सूत्रों की मानें तो राजस्व विभाग में सक्रिय हर कर्मचारी को इस कारनामे के बारे में शुरुआती दिनों से पता था। इसमें सबसे बड़ी कारगुजारी यह की गई कि ऑनलाइन नाम चढ़ाने का काम पटवारियों की हड़ताल के दौरान किया गया। ताकि मामला एक-दूसरे पर डाला जा सके। नाम ऑनलाइन चढ़ाने के लिए पटवारियों के पास आईडी पासवर्ड होता है, जिसके माध्यम से प्रक्रिया पूरी की जाती है।लेकिन बताया गया कि यह काम उसी आईडी से तहसीलदार या उनके स्टाफ के द्वारा भी किया जाता है। इसलिए ये भी जांच के दायरे में आएंगे।

दो लोगों के नाम भी खूब चर्चा

इस पूरे प्रकरण में दो अधिकारी-कर्मचारी तिवारी और वर्मा का नाम खुलकर विभागीय कर्मचारी ले रहे हैं। प्रकरण में संलिप्तता को देखते हुए बयान तो लिया ही जाएगा।

साथ ही अज्ञात नंबर जिसे एफआईआर में शामिल किया गया है, उस पर गौर किया जाएगा। ताकि पूरी सांठगांठ का खुलासा हो सके। क्योंकि इसमें जमीन के दूसरे मालिक पर तो एफआईआर हो गई, अब विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों के चपेटे में आना जरूरी है।

ऐसा है पूरा मामला

लखोली में रहने वाले शैलेष जैन ने पत्रकार वार्ता लेकर पूरी जानकारी दी थी कि उनके परिवार के पास 34 हजार स्क्वायर फीट जमीन थी। पिता की मौत के बाद जब फौती उठाने तहसील कार्यालय गए तो पता चला कि जमीन राजेंद्र जैन के नाम कर दी गई है, जबकि 17 हजार क्वायर फीट जमीन उनके नाम होनी थी। यह प्रक्रिया कैसे की गई, इसकी शिकायत की गई तो उन्हें गोलमोल जवाब दिया गया और आईडी हैक करने की जानकारी दी गई। इस पर पुलिस ने राजेंद्र जैन पर अपराध दर्ज किया है, साथ ही एक मोबाइल नंबर भी शामिल किया है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान : बच्चों व NDRF टीम ने सीखा SLRM सेंटर का प्रशिक्षण

भिलाईनगर। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जोन-02 स्थित दशहरा मैदान, जोन-03 बैकुण्ठधाम मंदिर एवं तालाब तथा जोन-04 एसएल आरएम सेंटर एवं वैष्णवदेवी स्कूल में साफ -सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर आम नागरिकों ने श्रमदान कर स्वच्छता में योगदान दिया और स्वच्छता शपथ लेकर जागरूकता का संदेश दिया। विभिन्न स्थानों पर सफाई व प्लॉगिंग अभियान-वार्ड क्रमांक 32 अंतर्गत बैकुण्ठधाम मंदिर व तालाब परिसर की सफाई की गई। वहीं दशहरा मैदान में प्लॉगिंग करते हुए झिल्ली, पन्नी व प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया। स्वास्थ्य विभाग व एनडीआरएफ की संयुक्त टीम ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। सेंटर में प्रशिक्षण-शहर में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और एसएलआरएम सेंटर में कचरे से खाद बनाने की प्रक्रिया की जानकारी एनडीआरएफ टीम को दी गई।स्कूली बच्चों को भी एसएल

आरएम सेंटर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया, जहां उन्हें सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की जानकारी दी गई।

रंगोली व पेंटिंग से स्वच्छता का संदेश–माता वैष्णवदेवी पब्लिक स्कूल में रंगोली एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने रंगोली व चित्रों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया और लोगों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में रही बड़ी संख्या में भागीदारी–इस अवसर पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा, बीरेन्द्र बंजारे, हेमंत मांझी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह, अतुल यादव, चूड़ामणी यादव, पीआईयू अभिनव ठोकने, सुभम पाटनी, धनेश्वर, स्वच्छता दीदीयां, स्कूल शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पाहंदा (अ) में गरबा महोत्सवः छत्तीसगढ़ी परिधानों में झूमे युवक-युवतियां

अमलेश्वर। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पाहंदा (अ) में नवरात्रि के पावन अवसर पर गरबा महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा है। इस आयोजन का नेतृत्व युवा मोर्चा प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख सुरेंद्र साहू कर रहे हैं। महोत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें छत्तीसगढ़ी परिधानों को विशेष महत्व दिया गया है, जो स्थानीय सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को जीवंत करता है। विशेष आकर्षण-गरबा महोत्सव 28 सितंबर से लगातार जारी है और इसमें बड़ी संख्या में युवक-युवतियां पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य की थिरकनों पर झूम रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान सर्वश्रेष्ठ नृत्य और वेशभूषा में चयनित महिला-पुरुष प्रतिभागियों को 1 अक्टूबर को सम्मानित किया जाएगा। अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति-महोत्सव के दूसरे दिन जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, जिला साहू संघ के अध्यक्ष नंदलाल साहू, समाजसेवी राजेंद्र साहू, स्थानीय

साहू समाज अध्यक्ष प्रहलाद साहू, युवा मोर्चा पूर्व जिला महामंत्री तेखन सिन्हा और युवा मोर्चा जिला मंत्री रितेश शर्मा कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी अतिथियों का आयोजक समिति की ओर से आत्मीय स्वागत व सत्कार किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र साहू ने कुशलता से किया। महोत्सव का महत्व-गरबा महोत्सव नवरात्रि के दौरान आयोजित एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक उत्सव है, जो समाज में भाईचारे और सौहार्द की भावना को मजबूत करता है। पारंपरिक परिधानों और नृत्यों के माध्यम से यह आयोजन छत्तीसगढ़ी संस्कृति और मूल्यों की झलक प्रस्तुत कर रहा है।

नवरात्रि विशेष ध्यान उत्सवः ओशो आश्रम में साधना और शक्ति की अनुभूति

भिलाई। नवरात्रि के पावन अवसर पर उमदा रोड, भिलाई-3 स्थित ओशो आश्रम में रविवार, 28 सितम्बर को नवरात्रि विशेष ध्यान उत्सव का भव्य आयोजन हुआ। स्वामी धर्म चैतन्य के सानिध्य में हुए इस आयोजन में साधक और श्रद्धालु शामिल हुए। दिनभर चले विभिन्न ध्यान सत्रों के जरिए साधकों ने देवी शक्ति की अनुभूति और आंतरिक शांति का अनुभव किया।

काली ध्यान - क्रोध और हिंसा से मुक्ति–सुबह 8:00 से 9:00 बजे तककाली ध्यान सत्र का आयोजन हुआ। इस विशेष साधना का उद्देश्य साधकों के भीतर छिपे क्रोध, गुस्सा और हिंसा जैसी नकारात्मक ऊर्जाओं का रेचन (मुक्ति) करना था। प्रतिभागियों ने ध्यान के बाद स्वयं को हल्का, शांत और ऊर्जावान महसूस किया। नवदुर्गा शक्ति की अनुभूति - चक्र साधना-सुबह 10:00 से 11:00 बजे तकनवदुर्गा शक्ति की अनुभूति

ध्यान कराया गया। इस सत्र में साधकों ने चक्र साधना के माध्यम से अपनी आंतरिक शक्ति और देवी ऊर्जा से जुड़ने का अनुभव किया। नवरात्रि पर्व पर देवी दुर्गा की आराधना के बीच यह साधना साधकों के लिए विशेष आध्यात्मिक क्षण रहा।

नमः का प्रयोग - हकार साधना–दोपहर 12:00 से 1:00 बजे तकनमः का प्रयोग - हकार साधना सत्र संपन्न हुआ। इसे एक विशेष तांत्रिक साधना माना जाता है। स्वामी धर्म चैतन्य ने साधकों को इस ध्यान की गहराई में उतारते हुएनमः ध्वनि के रहस्यमय प्रभाव और आंतरिक परिवर्तन की प्रक्रिया को समझाया।

साधकों ने महसूस की शक्ति और शांति–दिनभर चले इन ध्यान प्रयोगों से पूरा आश्रम ऊर्जा और सकारात्मकता से भर गया। साधकों ने न केवल शांति और सुकून का अनुभव किया, बल्कि देवी शक्ति की अनुपम अनुभूति भी प्राप्त की। नवरात्रि पर आयोजित यह उत्सव साधकों के लिए एक आध्यात्मिक यात्रा और आत्मिक उत्थान का अनोखा अनुभव साबित हुआ।

नवरात्रि साधना का संदेश–इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि देवी शक्ति की साधना केवल पूजन-अर्चन तक सीमित नहीं है, बल्कि ध्यान और साधना के माध्यम से इसे आत्मसात भी किया जा सकता है।

जनता को राहत देने महापौर के निर्देश पर जलकर अब प्रत्येक तीन महीने में लिए जाएंगे इसके लिए नया डाटा तैयार किया जा रहा है

राजस्व समिति बैठक में बड़े फैसले अब संपत्तिकर और जलकर की होगी अलग अलग वसूली

दुर्ग। नगर पालिक निगम,महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में निगम की राजस्व समिति की बैठक राजस्व प्रभारी शेखर चंद्राकर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में समिति के सदस्यों ने मिलकर निगम की आय बढ़ाने, बाजारों की व्यवस्थाओं को सुधारने और अटल आवास योजनाओं में पारदर्शिता लाने पर चर्चा की। बैठक में सर्वसम्मति से कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में बताया गया कि निगम की विकास योजनाओं के लिए राजस्व वसूली सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन पर्याप्त अमला (मानवबल) नहीं होने से वसूली प्रभावित हो रही है। इसे बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय संयुक्त कर वसूली - संपत्तिकर और जलकर की एकजायी वसूली होगी, वहीं नल टैक्स की तिमाही

वसूली की जाएगी।बाजार व्यवस्था सुधार, बोरसी हाट-बाजार में निष्क्रिय दुकानदारों का आबंटन निरस्त होगा। सिकोला भाठा व नयापारा मार्केट में दुकानों के बाहर अवैध व्यवसाय करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। फुटकर व्यापारियों के लिए सुविधा- बोरसी जोन कार्यालय के पास गुमटी स्थापित कर छोटे व्यापारियों को स्थान आबंटित किया जाएगा अटल आवास सत्यापन -पोटियाकला अटल आवास का भौतिक सत्यापन कर अवैध कब्जाधारियों को बेदखल किया जाएगा और पात्र हितग्राहियों को पुनः आवंटन होगा।मानवबल की मांग - राजस्व वसूली अमले की संख्या बढ़ाने की अनुशंसा की गई। बैठक में शामिल सदस्य-प्रभारी शेखर चंद्राकर के अलावा कुलेश्वर साहू, कमल देवांगन, विजयंत पटेल, ललिता ठाकुर, गोविंद देवांगन, बबिता यादव, जीतू महोबिया, रामचंद्र सेन, सविता साहू और थानसिंह यादव बैठक में उपस्थित रहे।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त तीन राजनीतिक दलों को नोटिस

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा दुर्ग जिले के तीन पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल क्रमशः भ्रष्टाचार मुक्ति मोर्चा, छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच और पिछड़ा समाज पार्टी यूनाइटेड को अपने वार्षिक लेखा परीक्षित खाते निर्धारित समय-सीमा के भीतर जमा नहीं करने तथा चुनाव लड़ने के दौरान निर्धारित समय-सीमा के भीतर व्यय रिपोर्ट दाखिल नही किये जाने पर आयोग, भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29ए के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त राजनीतिक दलों को पंजीकृत दलों की सूची से हटाने का प्रस्ताव किया है। राजनीतिक दल भ्रष्टाचार मुक्ति मोर्चा, छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच और पिछड़ा समाज पार्टी यूनाइटेड के अध्यक्ष को जारी नोटिस में प्रस्तावित कार्यवाही करने के पहले आयोग ने उन्हें अभ्यावेदन/कारण बताने का अवसर, यदि कोई हो, प्रदान करने का निर्णय लिया है। पार्टी के अध्यक्ष या महासचिव का हलफनामा और वे सभी सहायक दस्तावेज जिन पर पार्टी भरोसा करना चाहती है, सलंग्न कर निर्वाचन आयोग को 09 अक्टूबर 2025 तक प्रस्तुत करना होगा। आयोग द्वारा पार्टी के सुनवाई हेतु 09 अक्टूबर 2025 की तिथि निर्धारित की गई है। निर्वाचन आयोग द्वारा अवगत कराया गया है कि भारत के किसी भी नागरिक संघ/व्यक्तिगत निकाय का राजनीतिक दल के रूप में पंजीकरण, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29ए धारा के द्वारा शामिल होता है। राजनीतिक दलों के पंजीकरण हेतु दिशानिर्देशों के पैरा-3 के अनुसार, राजनीतिक दल के रूप में पंजीकरण हेतु आवेदक को अपने संविधान में यह घोषित करना होगा कि वह अपने वार्षिक लेखापरीक्षित लेखे आयोग को प्रस्तुत करेगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com